राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 225 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, गुरूवार 12 जून 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में 45 डिग्री तापमान के बीच रेड अलर्ट जारी, अगले 4 दिन बारिश से राहत

नईदिल्ली। दिल्ली में भीषण गर्मी से लोग बेहाल हैं। बुधवार को यहां का अधिकतम तापमान 45 डिग्री पहुंच गया। गर्मी को देखते हुए भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने रेड अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी के मुताबिक, गुरुवार 12 जून तक भीषण गर्मी के हालात बने रहेंगे। हालांकि, शाम को बारिश हो सकती है। इसके बाद शुक्रवार 13 जून से लगातार बारिश होने से राहत मिलेगी। आईएमडी ने संभावना जताई है कि 15 जून से तापमान में 7 डिग्री की गिरावट आएगी।

उत्तर प्रदेश में इन दिनों गर्मी कहर बरपा रही है। मंगलवार को सबसे ज्यादा तापमान झांसी में 45.2 डिग्री दर्ज किया गया। बुधवार को कुछ इलाकों में इससे राहत मिल सकती है।

प्रदेश के 14 जिलों में हल्के बादल छाने की संभावना है, जबकि 17 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है।

कर्नाटक में कांग्रेस नेताओं पर ईडी का एक्शन! वाल्मीकि घोटाले से जुड़ा है कनेक्शन

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित वाल्मीकि घोटाले के संबंध में मनी लॉन्ड्रिंग (धन शोधन) जांच के तहत बुधवार को कर्नाटक के बेल्लारी से कांग्रेस सांसद ई. तुकाराम और पार्टी के तीन विधायकों के खिलाफ तलाशी अभियान चलाया. आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी. सूत्रों ने बताया कि तुकाराम और तीनों विधायकों के परिसरों पर मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत तलाशी की जा रही है.इनमें तुकाराम और विधायक नारा भरत रेड्डी (बेल्लारी शहर), जे एन गणेश (कांपली) और एनटी श्रीनिवास (कुडलिगी) से संबंधित आवास शामिल हैं. गणेश के निजी सहायक के घर पर भी छापेमारी की खबरें हैं. सूत्रों से पता चला है कि छापेमारी अभी भी जारी है.

मुख्यमंत्री अपेक्स बैंक के नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी के पदभार ग्रहण में हुए शामिल

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सहकारिता को घर-घर तक पहुंचाने की संकल्पना हो रही पूरी : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने अपेक्स बैंक की नई शाखा का किया वर्चुअल शुभारंभ

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित के नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी केदारनाथ गुप्ता के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में शामिल हुए और उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जशपुर जिले के फरसाबहार में अपेक्स बैंक की नई शाखा का वर्चुअल शुभारंभ किया और क्षेत्रवासियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकार से समृद्धि की संकल्पना को साकार किया जा रहा है। उनकी प्रेरणा से प्रदेश के घर-घर को सहकारिता से जोड़ने का कार्य हमारी सरकार कर रही है। श्री साय ने कहा कि नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी के नेतृत्व में प्रदेश में सहकारिता को और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि सहकारी गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ मिलकर प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाल ही में हमने दुधारू पशु वितरण का शुभारंभ किया है, जिसके अंतर्गत पायलट प्रोजेक्ट के लिए प्रदेश के 6 जिलों का चयन कर हितग्राहियों को दो-दो दुधारू गाय वितरित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रदेश के किसानों और ग्रामीण जनों को बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने की एक बड़ी पहल हमने इस वर्ष पंचायती राज दिवस से प्रारंभ की है। प्रदेश के 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र खोले गए हैं, जिसके माध्यम से ग्राम पंचायत भवन में ही बैंकिंग सुविधा मिल रही है। उन्होंने बताया कि अगले पंचायती राज दिवस तक यह सुविधा प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में उपलब्ध हो जाएगी, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान सहकारिता के क्षेत्र में हुए बड़े बदलावों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री श्री सिंह ने किसानों को अल्पकालिक ऋण के लिए भारी-भरकम ब्याज दर से मुक्ति दिलाई और ब्याज दरों को लगातार कम कर किसानों को राहत दी। अब किसानों को कृषि कार्यों के लिए बिना किसी ब्याज के अल्पकालिक ऋण उपलब्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने फरसाबहार में अपेक्स बैंक की नई शाखा खुलने पर क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि अब किसानों को बैंकिंग सुविधा के लिए 50-60 किलोमीटर दूर पत्थलगांव नहीं जाना पड़ेगा। इस पुनीत पहल के लिए उन्होंने सहकारिता विभाग को साधुवाद दिया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ में सहकारिता का बीजारोपण करने वाले महान विभूतियों को पुण्य स्मरण करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में श्री वामनराव लाखे और ठाकुर प्यारेलाल जैसे पुरोधाओं ने सहकारिता की नींव रखी, जिसका विकसित स्वरूप आज हम सभी देख रहे हैं। यह वर्ष सहकारिता का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष है, और केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के प्रयासों से निश्चित रूप से इस क्षेत्र में चमत्कारिक परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के अथक प्रयासों से प्रदेश के किसानों के जीवन में खुशहाली आई है। पूरे देश में वे पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने प्रति एकड़ 21 क्विंटल और 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय ने सहकारिता को राज्य के अंतिम गांव तक पहुंचाने का कार्य किया है। अपेक्स बैंक प्रदेश में 40 हजार करोड़ रुपए के टर्नओवर के साथ सबसे शक्तिशाली संगठन है।

बाबा सिद्दीकी की हत्या का मास्टरमाइंड जीशान अख्तर कनाडा में गिरफ्तार?

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में फरार चल रहे कथित मास्टरमाइंड जीशान अख्तर को मंगलवार को कनाडा में हिरासत में ले लिया गया है। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने इसकी पुष्टि की है। जीशान वारदात के बाद से ही फरार था और अब पुलिस इसकी जांच में जुटी है कि वह आखिरी देर से बाहर कैसे पहुंचा। पुलिस को शक है कि आरोपी ने विदेश जाने के लिए फर्जी पासपोर्ट का सहारा लिया होगा।

मुंबई पुलिस की अपराध शाखा के अधिकारियों ने बताया कि तीन दिन पहले लॉरेंस बिश्नोई गैंग के प्रमुख सदस्य जीशान को कनाडा में हिरासत में लिए जाने के संबंध में सूचना मिली थी। उसके बाद पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया और आखिरकार अब उसके हिरासत में लिए जाने की पुष्टि हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने अब जीशान को कनाड़ा से वापस भारत लाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। मोहम्मद यासीन अख्तर के रूप में पंजाब के जालंधर में जन्मे जीशान का बड़ा आपराधिक इतिहास रहा है। पंजाब पुलिस ने साल 2022 उसे लूट, डकैती सहित अन्य अपराधों के आरोपों में गिरफ्तार किया था।

बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में उसका नाम अहम संदिग्ध के रूप में सामने आया था। उसने कथित तौर पर वारदात के लिए हथियार, तीन शूटर, धर्मराज कश्यप, गुरमेल बलजीत सिंह और शिवकुमार गौतम के लिए रसद और आवास की व्यवस्था की थी।

हिंदू महिला से शादी करने के लिए जेल में नहीं रख सकते, सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम युवक को दी जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में हिंदू लड़की से पहचान छिपाकर शादी करने के आरोपी मुस्लिम युवक को जमानत दे दी है। इस दौरान कोर्ट ने अहम टिप्पणियां की हैं। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि दो वयस्कों के आपसी सहमति से साथ रहने पर सिर्फइसलिए आपत्ति नहीं जताई जा सकती कि वे अलग-अलग धर्मों के हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान हिंदू महिला से शादी करने के बाद लगभग छह महीने से जेल में बंद मुस्लिम युवक की बेल की मंजूरी दे दी। जस्टिस बीवी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने शख्स द्वारा दायर अपील के बाद अपना फैसला सुनाया। फरवरी 2025 में उत्तराखंड हाईकोर्ट ने शख्स को जमानत देने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद उसने सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था।

शिलांग कोर्ट में हुई सोनम और अन्य की पेशी

आठ दिन की पुलिस कस्टडी में भेजे गए राजा के हत्यारोपी

यूपी के गाजीपुर से गिरतार की गई थी सोनम

शिलांग(एजेंसी)। मेघालय के चर्चित हनीमून हत्याकांड में मृतक कारोबारी राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम रघुवंशी और उसके चार साथियों को बुधवार को शिलॉन्ग की एक अदालत में पेश किया गया। जहां सुनवाई के बाद कोर्ट सभी आठ दिन के पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, इन सभी पर राजा की हत्या की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का आरोप है। मामले में पूर्वी खासी हिल्स जिले के एसपी विवेक सायम ने बताया, 'पुलिस ने सभी आरोपियों की 10 दिन की रिमांड मांगी थी। अदालत ने आठ दिन की पुलिस हिरासत मंजूर की।'

बता दें कि, 24 वर्षीय सोनम को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से गिरफ्तार किया गया, जबकि उसके चार साथियों को मध्य प्रदेश के इंदौर से पकड़ा गया। सोनम को मंगलवार देर रात मेघालय लाया गया, जबकि बाकी चारों को बुधवार को ट्रांजिट रिमांड पर शिलांग लाया गया।

क्राइम-सीन रीक्रिएट करेगी मेघालय पुलिस

पुलिस अधिकारी ने बताया कि विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अदालत से इन सभी आरोपियों की हिरासत मांगी है, ताकि मेघालय के सोहरा इलाके में हत्या की जगह का पुनर्निर्माण (क्राइम सीन रीक्रिएशन) किया जा सके।

बता दें कि, इंदौर के रहने वाले व्यापारी राजा रघुवंशी अपनी पत्नी सोनम के साथ 23 मई को मेघालय के सोहरा क्षेत्र में छुट्टियां मनाने गए थे। उसी दिन दोनों लापता हो गए थे। कई दिनों की तलाश के बाद राजा का शव 2 जून को एक गहरे गड्ढे में मिला था। पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है और इसे साजिशन हत्या का मामला मान रही है।

इंदौर पुलिस सूत्रों के अनुसार, सोनम और राज कुशवाहा के बीच पांच महीने से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। राज ने कबूल किया कि सोनम से अफेयर चार से पांच माह का था। पिता के हार्ट पेशेंट होने से सोनम लव मैरिज नहीं कर पा रही थी। पिता समाज में शादी करना चाहते थे इसलिए उसने राजा से शादी को हां कर ली थी। उसने पहले ही तय कर लिया था कि शादी के बाद राजा को मारकर राज के साथ रहने लगेगी।

5 दिन बाद 4 रेलवे अफसर सस्पेंड

अमरनाथ जा रहे बीएसएफ जवानों को खस्ताहाल ट्रेन मिली:सीटों पर गद्दी नहीं, टॉयलेट टूटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा के लिए ड्यूटी पर जा रहे 1200 बीएसएफ जवानों ने ट्रेन की खराब हालत देखते हुए चढ़ने से इनकार कर दिया। 5 दिन पुराने इस मामले में रेल मंत्रालय ने 4 रेल अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। 6 जून को जवानों को त्रिपुरा से अमरनाथ जाना था। नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे ने जो ट्रेन जवानों को मुहैया कराई, उसमें खिड़कियां-दरवाजे टूटे हुए थे।

ट्रेन का **VIDEO** भी अब सामने आया है। इसमें टॉयलेट टूटा है, लाइट नहीं है। सीटों पर गद्दियां भी गायब हैं। फर्श पर कॉकरोच दिखाई दे रहे हैं। जवानों के इनकार के बाद 10 जून को दूसरी ट्रेन मुहैया कराई गई।

ट्रेन के डिब्बों का महीनों से इस्तेमाल नहीं हुआ था जवानों को अमरनाथ तीर्थयात्री

ड्यूटी के लिए कश्मीर पहुंचना था। जिस ट्रेन से उन्हें जाना था, उसका बीएसएफ के कंपनी कमांडर ने निरीक्षण किया। ट्रेन की हालत देखकर वे हैरान रह गए।

ट्रेन के डिब्बों की हालत काफी खराब थी। इसका इस्तेमाल जवानों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए नहीं किया जा सकता। जांच के बाद पता चला कि डिब्बों का महीनों से इस्तेमाल नहीं हुआ। हर डिब्बे में जगह-जगह टूटे-फूटे सामान पड़े थे। ट्रेन की खिड़कियों व दरवाजों में छेद थे। अधिकांश सीटों पर गंदगी फैली हुई थी। ट्रेन के कई डिब्बों में बल्ब या बिजली कनेक्शन नहीं था।

रेलवे अधिकारी बोले- आपत्ति के बाद दूसरी ट्रेन दी गई भारतीय रेलवे के **NFR** जोन के एक सीनियर अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि 6 जून को रवाना होने वाली ट्रेन को रद्द कर दिया गया है। कारण यह है कि बीएसएफ ने ट्रेन की खामियों पर कड़ी आपत्ति जताई थी। इसके चलते अब उन्हें दूसरी ट्रेन दी गई है। नई ट्रेन मंगलवार को रवाना की गई। कांग्रेस ने सोशल मीडिया एक्स पर यह वीडियो पोस्ट किया है। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी, इस बार 38 दिन की अमरनाथ यात्रा पहली बार 38 दिन की हो रही है। यह 3 जुलाई से 9 अगस्त तक चलेगी। 9 अगस्त को छड़ी मुबारक के साथ रक्षाबंधन के दिन पूरी होगी। इस साल यात्रा की अवधि पिछले साल के 52 दिनों के मुकाबले घटाकर 38 दिन कर दी गई है।

2025 अमरनाथ यात्रा के लिए इस बार हो रहे विशेष इंतजाम

काफिले की सुरक्षा के लिए पहली बार जैमर लगाए जा रहे हैं, जिसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल सुरक्षा प्रदान करेगा। सशस्त्र बलों की 581 कंपनियां तैनात की जाएंगी। लगभग 42000 से 58,000 जवान तैनात होंगे। यात्रा रूट पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए 156 कंपनियां पहले से जम्मू-कश्मीर में तैनात थीं, जबकि 425 नई कंपनियों को 10 जून तक तैनात किया जाएगा।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के मामले में ज्योति मल्होत्रा की जमानत याचिका खारिज

नईदिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की जमानत याचिका को कोर्ट ने बुधवार को खारिज कर दिया है। ज्योति के वकील कुमार मुकेश ने हिसार कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी, जिस पर कोर्ट ने पुलिस से जवाब मांगा था।

वकील ने कहा था कि पुलिस के पास ज्योति के खिलाफ कोई मजबूत सबूत नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने सभी दावे अस्वीकार कर दिए हैं। ज्योति जेल में बंद हैं।

हिसार पुलिस ने ज्योति को 16 मई को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद उन्हें 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया था।

18 मई को केंद्रीय एजेंसियों ने ज्योति से गहन पूछताछ की थी और पाकिस्तानी संबंधों के बारे में पूछा था। इसके बाद 22 मई को फिर हिरासत में भेजा गया।

26 मई को पुलिस हिरासत के बाद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। हिरासत 14 दिन और बढ़ा दी गई है।

ज्योति हरियाणा के हिसार की रहने वाली है। बचपन में ही ज्योति का मां ने उसे शिशुगृह में छोड़ दिया था। इसके बाद पिता और दादा-दादी ने उसे पाला।

वह गुरुग्राम की एक निजी कंपनी में काम करती थी, लेकिन लॉकडाउन के दौरान उसकी नौकरी चली गई।

इसके बाद ज्योति ने यूट्यूब पर ट्रेवल विद जो नाम से चैनल बनाया और धार्मिक और पर्यटन स्थलों के वीडियो डालने लगी।

संक्षिप्त समाचार

संकुल जमदरहा एवं बाराडोली में प्रधानपाठकों का हुआ बैठक

बसना (समय दर्शन)। शिक्षा सत्र प्रारंभ होने से पहले बसना विकासखंड के सभी संकुलों में बैठक आयोजित हुआ। जिसमें संकुल केंद्र जमदरहा एवं बाराडोली में समन्वयक के अगुवाई में बैठक सम्पन्न हुआ। बैठक का मुख्य उद्देश्य नई शिक्षा सत्र में शिक्षा गुणवत्ता पर विशेष फोकस करते हुए बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करना। भवन की रंगाई पुताई एवं साफ सफाई पर विशेष ध्यान देना। निशुल्क गणवेश एवं पाठ्य पुस्तक सभी बच्चों को प्रदान करना। शाला प्रवेश उत्सव धूम धाम से मनाना। स्कूल रेडिनेस के तहत बच्चों को विशेष शैक्षणिक वातावरण प्रदान करना है। इसके अलावा कई बिन्दुओ पर फोकस किया गया। शिक्षा सत्र के प्रारंभ में जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे, विकासखंड शिक्षा अधिकारी जे. आर. डहरिया, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक पूर्णानंद मिश्रा सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्रीविशाल जोल्हे, लोकेश्वर कंवर के मार्गदर्शन में बैठक सम्पन्न कराया जा रहा है। संकुल समन्वयक अनिल साव, डिजेन्द्र कुर्रे, गजेन्द्र नायक, वारिश कुमार, आरिफ बेग, संतराम बंजारा, संतराम चौहान के नेतृत्व में सभी प्रधानपाठक शामिल हुए। अपने विद्यालय को बेहतर बनाने के लिए सभी प्रधान पाठक ने संकल्प लिया।

शिक्षा विभाग में बड़ा एक्शन, विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री भारद्वाज निलंबित

दुर्ग/समय दर्शन)। शिक्षा विभाग में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए विकासखंड शिक्षा अधिकारी, डौण्डी जिला बालोद श्री जयसिंह भारद्वाज को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह निर्णय जिला स्तरीय युक्तियुक्तकरण समिति, बालोद की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है, जिसमें युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया में की गई गंभीर अनियमितताओं की पुष्टि हुई है।

जांच में सामने आई मुख्य गड़बड़ियां- श्रीमती रीता गरेवाल, शिक्षक विज्ञान टी संवर्ग, शासकीय बालक पूर्व माध्यमिक शाला डौण्डी की नियुक्ति संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग दुर्ग में हुई है, जिनका कार्यभार ग्रहण तिथि 12 जुलाई 2022 है। संबंधित कर्मचारी परिवीक्षा अवधि में है। परिवीक्षा अवधि में होने के बावजूद उक्त शिक्षिका को अतिशेष की श्रेणी में गणना किया गया है। श्री नूतन कुमार साहू शिक्षक विषय गणित पूर्व माध्यमिक शाला कुमुड़कट्टा संस्था में एक ही गणित विषय का शिक्षक कार्यरत होने के बावजूद अतिशेष की श्रेणी में गणना किया गया है। पूर्व माध्यमिक शाला साल्हे में कला विषय में श्रीमती लेखनी साहू कनिष्ठ को अतिशेष की श्रेणी में गणना किया जाना था, किन्तु उनके स्थान पर श्रीमती परमिला ठाकुर शिक्षक विषय कला को गलत ढंग से अतिशेष चिन्हांकित गया है। पूर्व माध्यमिक शाला धुरवाटोला में विषय कला में श्री भूपत कुमार धनेन्द्र को अतिशेष की श्रेणी में गणना किया जाना था, किन्तु उनके स्थान पर श्री रविन्द्र कुमार बड़तिया शिक्षक विषय गणित को गलत ढंग से अतिशेष चिन्हांकित किया गया है। पूर्व माध्यमिक शाला पूत्तरवाही विषय कला में श्री संजय जायसवाल कनिष्ठ को अतिशेष की श्रेणी में गणना किया जाना था, किन्तु उनके स्थान पर श्रीमती मोतिम सिन्हा शिक्षक विषय कला को गलत ढंग से अतिशेष चिन्हांकित गया है। इन सभी मामलों में श्री जयसिंह भारद्वाज की ओर से घोर लापरवाही और अनियमितता सामने आई है, जो कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 का स्पष्ट उल्लंघन है।

गंदगी फैलाने वाले दो दुकानों से वसूला गया जुर्माना

भिलाई। घरों में साज-सज्जा का काम करने वाले व्यापारी से नगर पालिक निगम रिसाली ने जुर्माना वसूला है। दरअसल दो व्यापारी सड़क किनारे दुकान से निकलने वाले कचरा को फेक गंदगी फैला रहे थे। निगम कर्मचारी दोनों दुकानदार को पूर्व में भी चेतावनी दी थी। कृष्णा टॉकिज रोड पर सुबह और देर रात सफाई कराने के बाद नहर के आस-पास हर रोज गंदगी फैलाने वाले के खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही की गई। पहले निगम ने कचरा के किस्म की पहचान की। इसके बाद संबंधित दुकान की तलाश की। जन स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी अधिकारी बृजेन्द्र परिहार ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में ही बालाजी प्लाई-हार्डवेयर, फेम के संचालक ने कचरा फेकना स्वीकार किया। इसी तरह केशवानी टाइल्स ने भी डस्ट सड़क किनारे डालने की बात कही। दोनो व्यापारियों से 2000-2000 जुर्माना वसूला गया।

21 क्विंटल धान खरीदी से बचने सरकार किसानों को बांट रही एनपीके खाद : राकेश ठाकुर

पाटन (समय दर्शन)। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर बुधवार को फुंडा व मर्रा सोसायटी का औचक निरीक्षण करने पहुंचे जहां किसानों को खेती कार्य के लिए बांटे जा रहे खाद व बीज की जानकारी लिया गया ।

उपस्थित कर्मचारियों ने जिलाध्यक्ष श्री ठाकुर को जानकारी प्रदान करते हुवे कहा अंतराष्ट्रीय बाजार में शॉर्टेज की वजह से किसानों को डीएपी खाद उपलब्ध नही करा पा रहे है । डीएपी खाद के स्थान पर किसानों को एनपीके खाद पकड़ाया जा रहा है। वहीं अधिकतर सोसायटी में किसानों को बीज तक नही मिल पा रहा है तो कुछ सोसायटी में केवल सरना धान ही उपलब्ध है वो भी काफी देरी से सोसायटी तक पहुंचा।

बांटे जा रहे खाद, धान की फसल के लिए है ही नही - जिलाध्यक्ष श्री ठाकुर ने जब किसानों को बांटे जा रहे खाद देखा तो आश्चर्य में रह गए क्योकि जो खाद धान फसल के लिए बांटा जा रहा है वो खाद धान फसल के लिए है ही नही । श्री ठाकुर ने बताया कि बांटे जा रहे खाद एनपीके में स्पष्ट रूप से लिखा है कि यह खाद गन्ना, लहसुन, प्याज, चाय, मूंगफली , सरसो, नारियल,

तिल, सोयाबीन इत्यादि के लिए है, एनपीके खाद धान की खेती के लिए है ही नही जिसे भाजपा सरकार किसानों को जबरदस्ती पकड़ा रही है। यह सरकार की सोची समझी साजिश है कि किसानों की धान का पैदावार कम हो ताकि किसानों का धान 21 क्विंटल खरीदना न पड़े । श्री ठाकुर ने कहा कि किसानों का धान का फसल कम पैदावार हो सोच कर भाजपा सरकार किसानो के साथ धोखा कर रहा है, पूरा षड्यंत्र 21 क्विंटल धान खरीदी से बचने के लिए है। जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने एनपीके खाद के बैग की तश्वीर भी जारी किया है जिसमे उक्त खाद किसी अन्य फसल के लिए होना उल्लेख है।

एनपीके खाद में डीएपी के अपेक्षा काफी कम मात्रा में होगा उत्पादन- काँग्रेस जिलाध्यक्ष एवं किसान नेता राकेश ठाकुर ने खाद से संबंधित जानकारी साझा करते हुवे कहा कि धान की फसल को सबसे ज्यादा फास्फेरस की आवश्यकता होती है , चूंकि की किसानों का पसंदीदा खाद डीएपी है जिसमें फास्फेरस की मात्रा 46 प्रतिशत होती थी जिसे भाजपा सरकार द्वारा षड्यंत्र पूर्वक बंद कर किसानों को एनपीके खाद दिया जा रहा है फास्फेरस की मात्रा सिर्फ 20 प्रतिशत है जिससे किसानों को धान की फसल में एनपीके खाद की आवश्यकता ही नही है, यह खाद अन्य फसलों के लिए है जिसमें फास्फेरस की कम मात्रा की आवश्यकता होती है। किसानों को डीएपी खाद के स्थान पर एनपीके खाद बांटे जाने से किसानों को धान की पैदावार में 30 प्रतिशत तक कम पैदावार होगा जो किसानों के लिए बहुत बड़ा नुकसान है।

निरीक्षण के दौरान युवा कांग्रेस जिला महासचिव अमृत सिंह राजपूत, वेदप्रकाश पाटिल, पालेश्वर ठाकुर, हितेश निर्मलकर सहित किसान मौजूद थे ।

सामाजिक नियमावली का परिपालन हम सबको नई दिशा देती है...अशोक साहू

परिक्षेत्र मानिकपुरी पनिका समाज ने जरवाय में मनाया कबीर प्राकट्य दिवस!

पाटन। मानिकपुरी पनिका समाज परिक्षेत्र चूलगहन के तत्वाधान में ग्राम जरवाय में कबीर प्राकट्य दिवस धूमधाम से मनाया गया।सुबह 11:00 बजे शोभायात्रा ग्राम भ्रमण कर दोपहर 1.30बजे चौका आरती महंत गन्नुदास साहेब(दल्ली)द्वारा संपादित कर भोजन प्रसादी वितरण किया गया।

विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू ने सदगुरु कबीर दास साहेब का वंदन करते हुए कबीर के दोहे आज भी प्रासंगिक है,उनके बताए हुए मार्ग पर हमे चलना चाहिए।मानिकपुरी पनिका समाज का गौरवशाली इतिहास का निर्वहन वर्तमान पीढ़ी के लिए अनमोल धरोहर है।पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सर्व समाज के हित में सामाजिक भवन,पुरखौती कार्य,धरोहर,संस्कृति,परंपरा को बढ़ावा देने का काम किए थे।

परिक्षेत्र मानिकपुरी पनिका समाज के भवन में किचन सेड की मांग पर जनपद पंचायत पाटन के उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा ने स्वीकार करते हुए जल्द पूरा करने का आश्वासन दिए।

तहसील अध्यक्ष रामदास मानिकपुरी ने 12 ग्रामों का परिक्षेत्र समाज के लोगों को एकजुटता का परिचय देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में बतौर अतिथि यशवंत साहू सरपंच जरवाय,रविशंकर पाटिल उपसरपंच,शिवकुमार साहू पूर्व सरपंच,सोमनाथ साहू शामिल हुए।

इस अवसर पर परदेसी राम मानिकपुरी परिक्षेत्र अध्यक्ष,गोकुलदास मानिकपुरी उपाध्यक्ष,हिम्मत दास मानिकपुरी,गिरधर दास मानिकपुरी,भगत दास बघेल,पुरुषोत्तम धनकर,नोहरदास,भानुदास,दिलीप दास,हीरा दास,मंगलू दास,पवन साहू,श्यामलाल साहू,संतराम साहू,पवन साहू,दशरथ बैगा,झाड़ू साहू,केवलदास मानिकपुरी,रामनाथ,कुंभकरण यादव,परदेशी निर्मल सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

साय सरकार युक्तियुक्तकरण की आड़ में शिक्षा से कर रही खिलवाड़ : कांग्रेस

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 10 हजार से अधिक स्कूलों के युक्तियुक्तकरण का फैसला लिया है। प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा युक्तियुक्तकरण के नाम पर किए जा रहे रोजगार विरोधी नीति अपनाकर हजारों युवाओं को बेरोजगार किया जा रहा है, जिसके विरोध में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा शिक्षा-न्याय आंदोलन किया जा रहा है। इसी के तहत 10 जून को शहर जिला कांग्रेस कमेटी व ग्रामीण कांग्रेस कमेटी द्वारा संयुक्त तत्वावधान में विकासखंड शिक्षा कार्यालय का एक दिवसीय घेराव कर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

जानकारी देते हुए शहर कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने बताया कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार युक्तियुक्तकरण कर 45000 से अधिक शिक्षकों के पद समाप्त कर रही है। नये सेटअप के नाम पर स्कूलों में शिक्षकों के न्यूनतम पदों की संख्या में कटौती करके शिक्षकों के हजारों पद खत्म किया जा रहा है, जिसको लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा व ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू के नेतृत्व में एक दिवसीय घेराव प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर मांग किया है कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था को यथावत रखते हुएए शिक्षा नीति 2008 का पालन हो तथा प्रदेश में शिक्षकों की नई भर्ती जल्द से जल्द प्रारंभ किया जाए, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित न हो व छत्तीसगढ़ के छात्र-छात्राओं को उच्च स्तर की शिक्षा प्राप्त हो सके।

सभा को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता गिरीश देवांगन ने कहा कि भाजपा सरकार हर क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की जनता को छलने का प्रयास कर रही है। ये बड़ा ही गंभीर मामला है कि प्रदेश में लगभग 10 हजार से अधिक स्कूल बंद होने वाली है, युक्तियुक्तकरण कर 6000 शिक्षकों की भर्ती को समाप्त कर रही है, वहीं स्कूलों में काम करने वाले मध्यांह भोजन, रसोईया, भृत्य व अन्य कार्य कर रहे है, उनको भी हटाया जा रहा है। इसी तरह कहा जाए तो लाखों लोगों को बेरोजगारी की ओर धकेल रही है यह साय सरकार। कुल मिलाकर भाजपा सरकार प्रदेश में बेरोजगारी बढ़ाने का काम तेजी से कर रही है।

जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में प्राइमरी स्कूलों में 21 छात्रों के बीच एक शिक्षक है, इन अनुपात को बढ़ाकर 30 छात्र प्रति शिक्षक और इसी तरह मीडिल में 26 छात्र प्रति शिक्षक के रेसियों से बढ़ाकर 35 छात्र प्रति शिक्षक किया जा रहा है। जिससे शिक्षकों के एक तिहाई पद खत्म हो जायेंगे। नये शिक्षकों की भर्तियां न करनी पड़ी, इसलिए युक्तियुक्तकरण कर रही साय सरकार। बीएड, डीएड शिक्षित बेरोजगार का भविष्य खतरे में नजर आ रही है। सरकारी शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने साय सरकार ने षड्यंत्र रच रही है और निजी शिक्षण संस्थाओं को अघोषित रूप से लाभ पहुंचाने के लिए शिक्षा नीति का व्यापारीकरण किया जा रहा है।

जनदर्शन में दिव्यांग चनेश्वर की समस्या का हुआ त्वरित समाधान, बैटरी चलित ट्राइसाइकिल ने बदली तकदीर

कलेक्टर ने बैटरी चलित ट्राइसाइकिल प्रदान कर दी शुभकामनाएं

बालोद। मुख्यमंत्रीविष्णु देव साय के सुशासन में शासन-प्रशासन की त्वरित कार्यशीलता से आमजनों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है। इसका एक जीवंत उदाहरण आज जनदर्शन में देखने को मिला, जहॉ नगर पंचायत अर्जुन्दा निवासीचनेश्वर यदु की समस्या का त्वरित समाधान किया गया है। दोनों पैरों से दिव्यांग चनेश्वर के लिए रोजमर्रा का जीवन एक बड़ी चुनौती था, लेकिन अब उन्हें सरकार की संवेदनशील पहल ने नई उम्मीद और स्वावलंबन का आधार प्रदान किया है। आज कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने जनदर्शन के दौरान चनेश्वर को बैटरी चलित ट्राइसाइकिल प्रदान की, जो उनके जीवन में एक सकारात्मक बदलाव का प्रतीक बन गई है।चनेश्वर यदु लंबे समय से अपनी चल न पाने की समस्या से जूझ रहे थे। दोनों पैरों से दिव्यांग होने के कारण उन्हें कहीं आने-जाने में असहनीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। यह स्थिति न केवल उनके दैनिक जीवन को प्रभावित करती थी, बल्कि उनकी आजीविका और सामाजिक भागीदारी को भी सीमित कर रही थी। अपनी इस समस्या से निजात पाने के लिए चनेश्वर ने हिम्मत जुटाई और कलेक्टोरेट बालोद पहुँचकर अपनी व्यथा व्यक्त की। उन्होंने जनदर्शन में कलेक्टर के समक्ष आवेदन देकर बैटरी चलित ट्राइसाइकिल की मांग की, ताकि वे स्वतंत्र होकर अपने कार्यों को अंजाम दे सकें। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने आमजनों की समस्याओं त्वरित निराकरण हेतु कार्रवाई करते हुए समाज कल्याण विभाग के द्वारा जनदर्शन कार्यक्रम में ही चनेश्वर को उनकी मांग के अनुरूप बैटरी चलित ट्राइसाइकिल प्रदान की गई। कलेक्टर ने चनेश्वर को ट्राइसाइकिल सौंपते हुए शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ट्राइसाइकिल प्राप्त करने के बाद चनेश्वर ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा, कि वह अपनी इस समस्या के लिए लंबे समय से परेशान था। कहीं आने-जाने में उसे परिवार और दोस्तों पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन आज शासन-प्रशासन के प्रयासों से मुझे यह ट्राइसाइकिल मिली है। मैं मुख्यमंत्रीविष्णु देव साय और प्रशासन का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने मेरी जिंदगी को आसान बना दिया है।

जिले के स्वास्थ्य केन्द्रों में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान संपन्न

बालोद। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम.के.सुर्यवंशी के निर्देशानुसार जिले के सभी विकासखण्डों में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का चलाया गया। जिसके अंतर्गत प्रत्येक गर्भवती महिलाओं की गुणवत्तापूर्वक प्रसव पूर्व जाँच एवं जटिल प्रकरणों की समय से पहचान व उपचार हेतु जिले में जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों सहित 21 चिन्हांकित स्वास्थ्य संस्थाओं में 450 गर्भवती महिलाओं का नि:शुल्क जाँच किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का समापन 09 जुन 2025 को आयोजित किया गया। जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सक, चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से चिन्हांकन एवं आवश्यक उपचार की व्यवस्था की गई थी। जिसके अंतर्गत 450 गर्भवती महिलाओं का नि:शुल्क जॉच किया गया। जिसमें 56 गर्भवती महिलाए उच्च जोखिम गर्भावस्था की श्रेणी में पाया गया। इन हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं का अब विशेषज्ञो के द्वारा सतत् निगरानी रखी जाएगी। चिन्हांकित गर्भवती महिलाओं का जिला चिकित्सालय में नि:शुल्क सोनीग्राफी कराई जा रही है। गर्भावस्था के चैथे से नौवे महीने के बीच महिलाओं को विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में जरूरी जाँच, परामर्श और इलाज मुहैया कराया जा रहा है जिससे किसी भी संभावित खतरे को पहले ही पहचान कर उपचार किया जा सके। ग्राम स्तर पर मितानिनों और ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजको ने घर-घर जाकर गर्भवती महिलाओं की सूची तैयार कर उन्हें निर्धारित अस्पतालों तक पहुँचाया गया। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओ को हीमोग्लोबिन, रक्तचाप, रक्त, मुत्र जाँच, और सोनोग्राफी जैसी सभी सुविधाऐ नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई।

सर्व शैक्षिक संगठन साँझा मंच की पोल-खोल रैली 13 जून को, शिक्षकों की चार सूत्रीय माँगों को लेकर संभागीय मुख्यालयों में होगा प्रदर्शन

मुंगेली (समय दर्शन) रायपुर छत्तीसगढ़ में शिक्षकों के प्रमुख संगठनों द्वारा गठित सर्व शैक्षिक संगठन साँझा मंच के आह्वान पर 13 जून 2025 को राज्य के सभी पांचों संभागीय मुख्यालयों में पोल-खोल थीम के तहत धरना रैली व प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। यह आंदोलन राज्य सरकार की शिक्षकीय नीतियों, विशेषकर युक्तियुक्तकरण 2025 की खामियों को उजागर करने और शिक्षकों की चार प्रमुख माँगों के समर्थन में किया जा रहा है।

आंदोलन की प्रमुख माँगें इस प्रकार हैं: 1. युक्तियुक्तकरण 2025 की दोषपूर्ण नीति को निरस्त/संशोधित किया जाए

- इसे सेटअप 2008 के अनुरूप लागू किया जाए तथा प्रदेश के किसी भी विद्यालय को बंद न किया जाए।

2. कर्मोन्नत वेतनमान सभी शिक्षक एल.बी. संवर्ग को प्रदान किया जाए

- सुप्रीम कोर्ट एवं हाईकोर्ट के निर्णय के अनुरूप श्रीमती सोना साहू मामले की तर्ज पर, शिक्षक पंचायत/एल.बी. संवर्ग (सहायक शिक्षक, शिक्षक, व्याख्याता) को पूर्व सेवा अवधि की गणना करते हुए कर्मोन्नत वेतनमान दिया जाए।

3. पदोन्नति की प्रक्रिया में बी.एड. अनिवार्यता को शिथिल किया जाए

- बी.एड./डी.एड. दोनों को प्रशिक्षित मानते हुए पदोन्नति की पात्रता प्रदान की जाए। व्याख्याता एवं प्राचार्य पद पर योग्यता अनुसार पदोन्नति दी जाए।

4. प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना कर पुरानी पेंशन व अन्य लाभ दिए जाएं

- शिक्षक एल.बी. संवर्ग की सेवा की गणना प्रारंभिक नियुक्ति तिथि से करते हुए पुरानी पेंशन सहित समस्त लाभ प्रदान किए जाएं।

संभागीय स्तर पर होगा व्यापक प्रदर्शन

सभी संभागाध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि वे संबंधित संभागीय प्रशासन से संपर्क स्थापित कर धरना/रैली की अनुमति की पूर्व सूचना दिनांक 12 जून 2025 तक अनिवार्य रूप से प्रदान करें। प्रत्येक संभागीय केंद्र पर विशाल रैली, जन-जागरण एवं मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, सचिव स्कूल शिक्षा तथा लोक शिक्षण संचालनालय को संबोधित ज्ञापन सौंपे जाने की योजना है।

संगठन पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश व जिम्मेदारियाँ

गवर्नमेंट एम्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन, छत्तीसगढ़ के प्रांताध्यक्ष श्री कृष्णकुमार नवरंग ने समस्त प्रांतीय, संभागीय, जिला, ब्लॉक, तहसील एवं संकुल स्तरीय पदाधिकारियों (महिला प्रकोष्ठ सहित) को स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि:

धरना-प्रदर्शन की सफलता हेतु पोस्टर, बैनर, प्रेस विज्ञप्ति, मीडिया कवरेज एवं सोशल मीडिया प्रचार को प्राथमिकता दी जाए।

ब्लॉक अध्यक्षों व संकुल अध्यक्षों को अपने क्षेत्र के प्रधान पाठक, व्याख्याता, शिक्षक एवं सहायक शिक्षक (एल.बी.) से व्यक्तिगत संपर्क कर अधिक से अधिक संख्या में रैली में भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील करें।

सभी अध्यक्षगण साँझा मंच से संबद्ध संगठनों के साथ समन्वय स्थापित कर आंदोलन को सफल बनाएं।

कृषि विश्वविद्यालय में चार दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का समापन

राष्ट्रीय आम महोत्सव से आम उत्पादन के लिए प्रेरित होंगे छत्तीसगढ़ के किसानः कृषि मंत्री

रायपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री राम विचार नेताम ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मंडपम में आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव के समापन समारोह मे शामिल हुए। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, छत्तीसगढ़ शासन तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का आज यहा समापन हुआ।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री रामविचार नेताम थे। वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा, महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष चन्द्रहास चन्द्राकर, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के अध्यक्ष राम प्रताप सिंह तथा राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष आर.एस. विश्वकर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

समारोह की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। इस अवसर पर राष्ट्रीय आम महोत्सव में लगाई गई आम प्रदर्शनी के अंतर्गत विभिन्न आम प्रजातियों में पुरस्कार प्राप्त करने वाले आम उत्पादक किसानों तथा संस्थाओं को पुरस्कृत किया गया। छत्तीसगढ़ में आम उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रगतिशील कृषकों को भी सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय आम महोत्सव का समापन करते हुए कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित इस वृहद एवं भव्य राष्ट्रीय आम महोत्सव में छत्तीसगढ़ के किसानों एवं आम नागरिकों को 1600 से अधिक आमों को देखने का अवसर प्राप्त हुआ। इसके लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय तथा राज्य शासन का संचालनालय उद्यानिकी धन्यवाद का पात्र है। उन्होंने कहा कि यहां आकर अनेक नई-नई किस्मों को देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ जिससे छत्तीसगढ़ के किसानों को भी आम की नई-नई उन्नत एवं विभिन्न गुणों से परिपूर्ण प्रजातियों के बारे में जानने का मौका मिला। इसके परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ के किसान आम की नई प्रजातियों के उत्पादन के लिए प्रेरित होंगे। श्री नेताम ने आम की नवीन उन्नत किस्मों के विकास के लिए देश के कृषि वैज्ञानिकों को बधाई दी। श्री नेताम ने कहा कि इस तरह के आयोजन राजधानी रायपुर के अलावा बस्तर एवं सरगुजा जैसे आदिवासी बहुल संभागों में भी आयोजित किये जाने चाहिए जिससे इन आदिवासी अंचलों के किसानों को भी लाभ मिल सके। श्री नेताम ने कहा कि आम महोत्सव में भारत के विभिन्न राज्यों की लोकप्रिय आम प्रजातियों के साथ ही बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों से 120 आम प्रजातियां शामिल की गई हैं जो छत्तीसगढ़ में आम की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय तथा उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को छत्तीसगढ़ में आम उत्पादन को और अधिक प्रोत्साहित करने के निर्देश दिये।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने राष्ट्रीय आम महोत्सव के बारे में मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथियों को जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय आम महोत्सव में आम की 427 से अधिक किस्मों के 1200 से अधिक प्रादर्श एवं आम से बने 56 तरह के व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया। विगत तीन दिनों में राष्ट्रीय आम महोत्सव में 10 हजार से अधिक लोगों ने मेले एवं प्रदर्शनी का अवलोकन किया। देश के विभिन्न हिस्सों से आए आम उत्पादकों द्वारा आम के विभिन्न किस्मों के फ्लों तथा पौधों का विक्रय भी किया गया जहां किसानों एवं आम नागरिकों द्वारा लगभग 50 हजार पौधे क्रय किये गये।

संक्षिप्त समाचार

प्लास्टिक उद्योगों पर संगोष्ठीः आर्थिक विकास, निवेश के नए अवसरों पर होगी चर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्लास्टिक निर्माता संघ और केंद्रीय पेट्रो रसायन अभियांत्रिकी संस्थान (सीपेट) के संयुक्त तत्वावधान में 10 जून को शाम 5 बजे एक विशेष उद्यमी परिचर्चा एवं संगोष्ठी का आयोजन रायपुर के भनपुरी स्थित सीपेट मुख्यालय में किया जा रहा है। इस संगोष्ठी का उद्देश्य राज्य में प्लास्टिक उद्योगों के विकास, निवेश के नए अवसर और तकनीकी जानकारी साझा करना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजीव अग्रवाल, अध्यक्ष सीएसआईडीसी और विशिष्ट अतिथि विश्वेष कुमार, महाप्रबंधक सीएसआईडीसी एवं छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सतीश थोरानी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। संगोष्ठी में केंद्रीय सरकार की इकाई NSIC भी भाग ले रही है, जो बिना किसी कोलेटरल सिक्योरिटी के उद्योगों को वित्तीय सहायता देती है। इसमें NSIC की योजनाओं और लाभों पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम की खास बात यह है कि सीपेट में स्थापित प्लास्टिक निर्माण की 12 विभिन्न मशीनों का लाइव प्रदर्शन किया जाएगा। यह उन निवेशकर्ताओं और उद्योगपतियों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी देगा जो प्लास्टिक क्षेत्र में प्रवेश की योजना बना रहे हैं। प्लास्टिक पार्क, इसके बुनियादी ढांचे और उद्योग स्थापना की प्रक्रिया पर भी विस्तृत जानकारी दी जाएगी। साथ ही, सीपेट द्वारा कम शुल्क में उपलब्ध प्लास्टिक इंजीनियरिंग डिप्लोमा कोर्स की भी जानकारी साझा की जाएगी। इस आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए छत्तीसगढ़ प्लास्टिक निर्माता संघ के अध्यक्ष संतोष जैन और सीपेट के प्रधान निर्देशक आलोक साहू ने बताया कि इस संगोष्ठी में बड़ी संख्या में प्लास्टिक उद्योगपति और नए निवेशकर्ता हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने सभी इच्छुक उद्यमियों और व्यापारियों से अपील की है कि वे कार्यक्रम में भाग लें और इस क्षेत्र में संभावनाओं का लाभ उठाएं।

सरोरा में आधी रात हत्याः दरवाजा खटखटाने पर कटार से हमला

रायपुर। उरला के सरोरा में सोमवार आधी रात बाद कटार से हमला कर हत्या हो गई। उरला पुलिस के मुताबिक बीरगांव स्थित पेप्सी कंपनी के पास रहने वाला डोमन बंछोर (35) 9 जून की रात 3.30 बजे सरोरा निवासी हीरेंद्र साहू के घर गया। डोमन दीवार कूदकर भीतर गया और दरवाजा खोलने खटखटाने लगा। खटखटाहट सुनकर हीरेंद्र उठा और हाथ में नारियल छीनने का कटार लेकर दरवाजा खोला और गेट पर खड़े डोमन पर वार कर दिया। इससे घायल डोमन को तुरंत इलाज के लिए एम्स लेकर जाने पर उसकी मौत हो गई। उरला पुलिस ने हीरेंद्र को धारा 103 के तहत गिरफ्तार कर लिया है।

युक्तियुक्तकरण की सकारात्मक पहल से शासकीय माध्यमिक शाला रावाँभाटा में हुई 8 शिक्षकों की पदस्थापना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और संतुलित बनाने के उद्देश्य से लागू किए गए युक्तियुक्तकरण का सकारात्मक असर अब विद्यालयों की कार्यप्रणाली में नजर आने लगा है। इसी पहल के अंतर्गत रायपुर के रावांभाटा स्थित माध्यमिक शाला में 8 शिक्षक की पदस्थापना की गई है, जिससे विद्यालय में शैक्षिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी। पहले जहां 593 विद्यार्थियों में शिक्षक 9 थे वहीं अब युक्तियुक्तकरण के पश्चात अब 17 शिक्षक हो गए है। पहले जहां भरोसे कम शिक्षक को अत्याधिक कक्षाओं को पढ़ाने, प्रशासनिक कार्यों को निभाने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का उत्तरदायित्व निभाना पड़ता था, जिससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना एक बड़ी चुनौती बन चुकी थी। अब युक्तियुक्तकरण के पश्चात नई पदस्थापन से शिक्षा व्यवस्था में कई स्तरों पर सकारात्मक सुधार की उम्मीद की जा रही है।

छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री श्री श्याम बिहारी जयसवाल खोखली गांव में सुशासन तिहार - समाधान शिविर में हुए शामिल, महिला सशक्तिकरण पर दिया जोर

30 ग्रामीण नवयुवतियों को सौंपे नौकरी नियुक्ति पत्र

खोखली, भाटापारा: न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, क्षमता के हिसाब से भारत का पांचवां सबसे बड़ा सीमेंट समूह, छत्तीसगढ़ सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री श्याम बिहारी जयसवाल ने आज भाटापारा के समीप स्थित खोखली गांव में आयोजित सुशासन तिहार - समाधान शिविर में भाग लिया। यह कार्यक्रम शासन की जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनशिकायतों के त्वरित समाधान के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और सरकार के साथ सीधे संवाद किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री शिवरतन शर्मा, कलेक्टर श्री दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक मैडम भावना गुप्ता सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

शिविर के माध्यम से शासन ने न केवल जनता की समस्याओं का समाधान किया, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

प्रभारी मंत्री श्री जयसवाल ने इस अवसर पर न्युवोको सीएसआर सोनाडीह सीमेंट प्लांट द्वारा संचालित 'दक्ष स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम' आईएसएमओ प्रशिक्षण कार्यक्रम के 30 सफल प्रशिक्षुओं को नियुक्ति पत्र एवं प्रमाण पत्र सौंपे। ये युवा विभिन्न कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर अब रोजगार के लिए तैयार हैं। इस अवसर पर मंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, हमारी सरकार का उद्देश्य युवाओं को सशक्त बनाना है। 'हम होंगे कामयाब' कार्यक्रम उसी दिशा में एक मजबूत पहल है, जिससे युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं।

'हम होंगे कामयाब' कार्यक्रम जिला प्रशासन द्वारा चलाया जा रहा एक अभिनव प्रयास है, जिसका उद्देश्य जिले के बेरोजगार युवाओं को चिन्हित कर उन्हें आवश्यक कौशल प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत युवाओं को अलग अलग इंडस्ट्री के माध्यम से इलैक्ट्रीशियन, वेल्डिंग, कंप्यूटर डाटा एंट्री, दर्जी, ब्यूटी पार्लर संचालन जैसे व्यावसायिक कोर्स करवाए जा रहे हैं। प्रभारी मंत्री श्री जयसवाल ने इस दौरान न्युवोको सीएसआर सोनाडीह सीमेंट प्लांट द्वारा संचालित दक्ष स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम' कार्यक्रम की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा, निजी क्षेत्र की भागीदारी के बिना समावेशी विकास संभव नहीं है।

रिश्वतखोरों पर कसा ACB का शिकंजाः रविवि का क्लर्क और पटवारी गिरफ्तार

रायपुर। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए रिश्वतखोर कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। पहला मामला रायपुर के पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय का है, जहां क्लर्क को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। वहीं दूसरा मामला मुंगेली जिले का है, जहां एक पटवारी को गिरफ्तार किया गया है।

पहला मामला...- रायपुर स्थित पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय के प्रशासनिक विभाग में पदस्थ क्लर्क दीपक वर्मा को एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार दीपक वर्मा ने विश्वविद्यालय के एक रिटायर्ड क्लर्क से पेंशन प्रकरण को शीघ्र निपटाने के नाम पर 50 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने पर ब्यूरो टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जाल बिछाया।

आरोपी- दीपक शर्मा आरोपी- उत्तम कुर्रे

योजनाबद्ध तरीके से रिटायर्ड क्लर्क द्वारा 30 हजार रुपये की पहली किस्त देने के दौरान ब्यूरो की टीम ने दीपक वर्मा को रंगे हाथों पकड़ लिया। ब्यूरो की इस कार्रवाई से विश्वविद्यालय प्रशासन में हड़कंप मच गया है। फिलहाल आरोपी क्लर्क से पूछताछ की जा रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

दूसरा मामला...- वहीं मुंगेली जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने एक पटवारी को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई उस समय हुई जब पटवारी एक किसान से नाम सुधारने के एवज में अवैध रूप से पैसे ले रहा था। मिली जानकारी के अनुसार किसान ने अपने खेत के रिकॉर्ड में नाम सुधार कराने के लिए संबंधित पटवारी से संपर्क किया था। लेकिन पटवारी ने काम के बदले 25 हजार रुपये की मांग की। किसान ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो से की जिसके बाद टीम ने योजना बनाकर जाल बिछाया और पटवारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी पटवारी से पूछताछ की जा रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

कलेक्टर ने ली महिला एवं बाल विकास विभाग की बैठक

सभी सुपरवाईजर अपने सेक्टर के आंगनबाड़ी केन्द्रों का करें दौरा और योजनाओं की साप्ताहित रिपोर्ट प्रदान करें: डॉ गौरव सिंह

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने आज महिला एवं बाल विकास के पर्यवेक्षकों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों की कल्याण के लिए शासन की कल्याणकारी योजनाओं का प्राथमिकता के साथ क्रियान्वित करें। उन्होंने पोषण ट्रेकर की समीक्षा की और कहा कि सभी सुपरवाईजर अपने सेक्टर में आने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों का समय पर खुलना और बंद होना सुनिश्चित करें। यह भी ध्यान रखें की केन्द्रों में बच्चों का नियमित रूप से आएं और उन्हें शासन द्वारा निर्धारित पौष्टिक पदार्थ मिले। उनका समय-समय पर वजन-उंचाई का मापन करें और यह अवलोकन करते रहें कि उनका निर्धारित मापदंड के अनुसार विकास हो। केन्द्र में बच्चों को गरम भोजन और माताओं को पूरक पोषण आहार अनिवार्य रूप से मिले। जिससे बच्चें कुपोषण से बाहर आए और स्वस्थ रहें। उन्होंने कहा कि जिन केन्द्रों में बाउंड्रीवॉल एवं अन्य की आवश्कयता हो तो उसकी सूची बनाकर भेजे।

कलेक्टर ने कहा कि सभी परियोजना अधिकारी और सुपरवाईजर अपने-अपने सेक्टर में दौरा करें और योजनाओं की प्रगति की साप्ताहिक रिपोर्ट प्रदान करें, जिसमें योजनाओं की प्रगति का उल्लेख भी हो। साथ ही लक्ष्य के अनुसार अनिवार्य रूप से योजनाओं का क्रियान्वयन करें। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त विश्वदीप और जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री शैल ठाकुर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मंत्रालय में आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा

जनजातीय समाज के विकास के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने मंगलवार को मंत्रालय महानदी भवन में आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग के कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने छात्रावास-आश्रम प्रबंधन के लिए नवीन पोर्टल का शुभारंभ किया। साथ ही, आगामी शिक्षण सत्र 2025-26 में प्रदेश के आश्रम छात्रावासों के संचालन हेतु नई व्यवस्था के अंतर्गत शिष्यवृत्ति एवं भोजन सहायता की पहली किश्त (जुलाई से सितंबर) के रूप में 85 करोड़ रुपए का ऑनलाइन अंतरण भी किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार विशेष पिछड़ी जनजातियों और आदिवासी समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए संकल्पित है। हमारा लक्ष्य है कि इन वर्गों का जीवन स्तर बेहतर हो, वे आत्मनिर्भर बनें और विकास की मुख्यधारा में सम्मिलित हों। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जनजातीय समुदाय की सदैव चिंता करते हैं और उनके विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। केंद्र सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आवास जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने हेतु अनेक योजनाएं संचालित कर रही है।

मुख्यमंत्री ने पीएम जनमन एवं धरती आबा जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम जनमन योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवास और सड़क निर्माण कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया। साथ ही, पीएम जनमन योजना के अंतर्गत शिविरों के माध्यम से हितग्राहियों के आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र जैसे मूलभूत दस्तावेजों को तैयार करने का कार्य लगातार जारी

रखने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने आश्रम-छात्रावासों की समीक्षा करते हुए कहा कि जहाँ आवश्यकता हो, वहाँ सर्वसुविधायुक्त छात्रावास बनाए जाएं। शौचालय, बेड, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित हो। निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आश्रम-छात्रावासों में बच्चों को दी जाने वाली सुविधाओं में एकरूपता रहे तथा छात्रावासों की निगरानी के लिए रियल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम को अपनाया जाए। मुख्यमंत्री ने विभाग द्वारा संचालित क्रीड़ा परिसरों की भी जानकारी ली और बच्चों द्वारा विभिन्न खेलों में अर्जित सफलताओं पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी 20 क्रीड़ा परिसरों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी ताकि खेल प्रतिभाएं और निखरें और खिलाड़ी खेलो इंडिया सहित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। प्रयास विद्यालयों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इनमें उच्च शिक्षित प्रशिक्षकों की नियुक्ति होनी चाहिए। साथ ही, इंजीनियरिंग, मेडिकल, क्लैट, सीयूईटी सहित अन्य कैरियर विकल्पों के लिए भी बच्चों को तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने आदिम जाति विभाग के अंतर्गत स्वीकृत एवं प्रगतिरत भवनों के निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने तथा भवनविहीन संस्थानों के लिए सर्वसुविधायुक्त भवन निर्माण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मध्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण की बैठक भी शीघ्र आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आदिवासी संस्कृति संरक्षण एवं विकास के अंतर्गत देवगुड़ी निर्माण और अखरा विकास के कार्यों की भी समीक्षा की। साय ने अखरा विकास के तहत आस्था स्थलों पर उपयुक्त प्रकाश, बैठक व्यवस्था, शेड और पेयजल सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित ट्राइबल यूथ हॉस्टल की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सिविल सेवाओं की तैयारी कर रहे बच्चों के मार्गदर्शन के लिए हाल ही में चयनित अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों से चर्चा कर सुझाव लिए जाएं ताकि वर्तमान परिदृश्य के अनुरूप युवाओं को रणनीति बनाने में मदद मिल सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे प्रदेश के अधिकाधिक युवा उच्च पदों पर पहुँचकर राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बैठक में एकलव्य आवासीय विद्यालय, मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना, जनजातीय बहुउद्देश्यीय विपणन केंद्र, वन अधिकार पत्र सहित अन्य विभागीय योजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय निर्माण की प्रगति की समीक्षा

मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर में निर्माणाधीन शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय के निर्माण कार्य की समीक्षा की।

संपादकीय

बस्तर एलडब्लूई सूची से बाहर

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले का नक्सल प्रभावित जिलों की सूची से हटना सिर्फ राज्य ही नहीं अपितु पूरे देश के लिए राहत की खबर है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मार्च, 2026 तक देश को नक्सली हिंसा से मुक्त कराने की घोषणा के बाद से ही सुरक्षा बल जी-जान से नक्सल विरोधी अभियान में जुटे हुए हैं। हाल में नक्सलियों के सबसे बड़े नेता बसव राज और सेंट्रल कमेटी नेता चलपति के मारे जाने के बाद से ही वामपंथी अतिवादी हलकों में पसरा सन्नाटा उनके हौसले टूटने का संकेत दे रहा है। यह छत्तीसगढ़ राज्य विशेषकर बस्तर क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। बस्तर न केवल एक जिला है, बल्कि संभाग भी है, जिसमें कुल 7 जिले शामिल हैं-ये हैं-बस्तर (मुख्यालय-जगदलपुर), कोंडागांव, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर और बीजापुर (जो पूर्व में दंतेवाड़ा से अलग हुआ)। हालांकि बस्तर जिला अब एलडब्लूई सूची से बाहर हो चुका है, लेकिन बस्तर संभाग के अन्य कुछ जिले अब भी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शामिल हैं। हालांकि नक्सल विरोधी अभियानों में सुरक्षा बलों को मिल रही सफलता इस पूरे क्षेत्र को मार्च, 2026 से काफी पहले ही वामपंथी अतिवादी हिंसा से मुक्त कराने की दिशा में आगे बढ़ रही है। आदिवासियों के जल, जमीन और जंगल पर हक की लड़ाई के नाम पर शुरू हुआ संघर्ष अतिवादी हिंसा में परिणत होकर रास्ता भटक चुका था। पिछले तीन-चार दशकों में इस हिंसा में भारी खूनखराबा हुआ है और इलाके का विकास कई दशक पीछे चला गया है। हिंसा में अब तक 2000 से अधिक ग्रामीण और सुरक्षा बलों के 1400 से अधिक जवान मारे जा चुके हैं। स्थानीय लोग हिंसा से आजिज आ चुके हैं। सुरक्षा बलों को अभियानों में मिल रही कामयाबी में स्थानीय लोगों का साथ मिलना काबिलेगौर तथ्य है। सुरक्षा बलों में स्थानीय भाषा, संस्कृति और क्षेत्र के चप्पे-चप्पे के जानकार स्थानीय लोगों की भर्ती कारगर साबित हुई है जिसने माओवादियों के प्रचार अभियानों को भारी नुकसान पहुंचाया और उनके छिपने के ठिकानों की संख्या सीमित कर दी। सुरक्षा बलों को मिला तकनीक का साथ भी कारगर रहा। सड़क और मोबाइल कनेक्टिविटी ने भी उल्लेखनीय काम किया है। नेतृत्व के अभाव में उनके कैडर में दिशाहीनता की स्थिति है। यह लाल आतंक से प्रभावित क्षेत्र के सिमटते जाने की निशानी है। उम्मीद है कि क्षेत्र में प्रगति और विकास कार्य के रास्ते खुलेंगे।

मूत्यु स्वाभाविक चरण और शात सत्य है

अमरपाल सिंह वर्मा

इन दिनों दक्षिण भारत का एक वीडियो खूब देखा जा रहा है। वीडियो एक विवाह समारोह का है, जिसमें दूल्हे के दिवंगत पिता को स्वर्ग से उतरते हुए दिखाया गया है। वह अपनी पत्नी और बेटों से मिलते और समारोह में शामिल होकर भोजन करते हुए भी नजर आते हैं। इसके बाद उन्हें फिर 'स्वर्ग' प्रस्थान करते दिखाया गया है। वीडियो को देख अनेक लोग हैरान हैं। कई लोग इसे देख भावुक भी हो उठते हैं पर इस वीडियो ने कई सवाल भी खड़े कर दिए गए हैं। दरअसल, यह वीडियो एआई तकनीक से बनाया गया है जिसने डिजिटल क्रांति की तेज लहरों में बहते हुए अब जीवन की अंतिम सीमा यानी मृत्यु को भी तकनीकी प्रयोगों का हिस्सा बना दिया है। ये प्रयोग पश्चिमी देशों में खूब फल-फूल रहे हैं, और इसकी बदौलत वहां बाकायदा एक बड़ा उद्योग खड़ा हो गया है, जिसे 'डेथ टेक्नोलॉजी इंडस्ट्रीज' नाम दिया गया है। दक्षिण भारत के वीडियो से पता चलता है कि अब भारत में भी इसके अंकुर फूटने लगे हैं। बड़ा सवाल यह है कि यह हमारे समाज में उगता हुआ भविष्य है, या भावनात्मक व्यापार? भारत में इसके लिए कारोबारी संभावनाएं तलाशने के लिए काम हो रहा है। जिस घर में भी मृत्यु होती है, वहां के लोगों को सांत्वना की जरूरत होती है। अपने परिजनों को खो देने वाले लोगों के घर तक जा कर सांत्वना देना हमारे समाज का स्थापित लोकाचार है, जिसमें तकनीक शामिल हो गई है। कई डिजिटल श्रद्धांजलि वेबसाइट्स, ऑनलाइन श्राद्ध और पूजा सेवाएं वगैरह पहले से हैं। इसमें नया अवतार है होलोग्राफिक प्रोजेक्शन, जिसमें मृत व्यक्ति 'जीवित' दिखाई देता है। बड़ा सवाल यह है कि इस उद्योग के फैलने का समाज पर असर क्या होगा? क्या यह वास्तव में भावनात्मक सुकून का जरिया है, या माननीय संवेदनाओं से खेल कर पैसा बनाने का धंधा? बहरहाल, भले ही इस तकनीक का उद्देश्य श्रद्धा और स्मृति को बनाए रखना है, परंतु इसके दुष्परिणामों को अनदेखा नहीं किया जा सकता। हमारे जीवन दर्शन में मूत्यु स्वाभाविक चरण और शात सत्य है, जिसका घटना लाजिमी है। हमें मृत्यु को स्वीकार कर आगे बढ़ना सिखाया जाता है, फिर भी यदि हम अपने परिजनों को पुनजीर्वित होते देखते हैं, तो सवाल उठता है कि क्या हम मृत्यु को स्वीकार कर पा रहे हैं? श्रद्धांजलि अर्पित करना अलग बात है पर जब हम तकनीक से मृतकों को 'पुनर्जीवित' करते हैं, तो क्या हम सच में श्रद्धांजलि दे रहे हैं, या अपने मोह और मृत्यु को अस्वीकार करने को तकनीकी जामा पहना रहे हैं? परिजन की मृत्यु को स्मृतियों में सहेजना और उससे प्रेरणा लेना तो समझ में आता है पर उस मृत्यु को 'न होने' जैसा दिखाना घट चुके सच को भावनात्मक रूप से अस्वीकार करना ही तो कहा जाएगा। लिहाजा, हमें देखना पड़ेगा कि यह उद्योग कहीं मृत्युरूपी सत्य को 'अनदेखा' करने का माध्यम तो नहीं बन रहा? हम दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं, इसके लिए पारंपरिक धार्मिक विश्वासों के आधार पर क्रिया-कलाप भी करते हैं। आत्मा को मोक्ष मिले, इसके लिए प्रार्थनाएं की जाती हैं। किसी की मृत्यु के उपरांत हम उसकी आत्मिक शांति के पक्ष में हैं, तो उसे बार-बार वर्चुअली बुलाना, एआई के जरिए उससे 'संवाद' करना, क्या आत्मा को बांधने के क्रियाकलाप में नहीं गिना जाएगा? क्या यह सब उस आत्मा की शांति में हस्तक्षेप नहीं होगा? जिस व्यक्ति के मोक्ष की हम कामना कर चुके, उसे इस प्रकार रूबरू कर लेना क्या पुन- आह्वान नहीं कहलाएगा? दिवंगतों के होलोग्राम को बार-बार देखना क्या वियोग के दुख को बढ़ाएगा नहीं? हमारे देश, जहां मानसिक बीमारियों को बीमारी ही नहीं माना जाता है, में यह तकनीक परेशानी को बढ़ाने का सबब बन सकती है। इससे अनेक वृद्धों, भावुक व्यक्तियों, मानसिक रूप से संवदेनशील और दिमागी तौर पर अस्वस्थ लोगों की समस्याएं बढ़ सकती हैं।

आईएएस अधिकारी के रिश्वत में पकड़े जाने पर उठे सवाल

अशोक मधुप

उडीसा के कलाहांडी जिले के धरमगढ़ में 2021 बैच के आईएएस अधिकारी डिप्?टी कलेक्टर धीमन चकमा को ओडिशा विजिलेंस ने 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। उनके निवास से 47 लाख रूपये अतिरिक्त बरामद हुए। विजिलेंस की जांच जारी है। मात्र चार साल के शुरुआती कैरियर में रिश्वत लेते पकड़े जाना, यह बताने के लिए काफी है कि आज भारतीय समाज के भ्रष्टाचार की जड़ कितनी गहराई तक पहुंच गई हैं। व्यवस्था की सभी खंबे आज बेईमानी की जद में हैं। हम अधिकारी, राजनेता और व्यवस्था के भ्रष्टाचार के खिलाफ तो खूब बोलते और लिखते है, किंतु न्यायपालिका के कदाचार पर चुप्पी साध जाते हैं, जबकि वहां भी हालत सब जगह जैसी ही है। दिल्ली उच्च न्यायालय के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर नई दिल्ली स्थित 30, तुगलक क्रीसेंट स्थित सरकारी आवास के बाहरी हिस्से में 14 मार्च की रात आग लग गई। इसमें बड़ी तादाद में नोट जले। जस्टिस वर्मा को दिल्ली से इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेज दिया गया, किंतु लगभग तीन माह बीत जाने के बाद भी उनके खिलाफ कोई आरोप दर्ज नहीं हुआ। यदि यह ऐसा मामला किसी मंत्री, राजनेता या प्रशासनिक अधिकारी का होता तो उसके खिलाफ मुकदमा ही दर्ज नहीं होता, जेल भी जाना पड़ता। न्यायिक अधिकारी अपने को मिले विशेष अधिकार के बूते मामले दबा रहे हैं। राज्यसभा अध्यक्ष जगदीप धनखड़ भी इस पर तीखी टिप्पणी कर चुके हैं।

रिश्?वत के आरोपी अधिकारी धीमन चकमा का जन्म त्रिपुरा के एक छोटे से कस्?बे कंचनपुर में हुआ। उनके पिता स्कूल टीचर हैं, जबकि मां हाउस वाइफ हैं। धीमन ने अगर्तला के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) से कंप्यूटर साइंस में बी.टेक किया। पढ़ाई पूरी करने के बाद धीमन ने यूपीएससी की तैयारी शुरू की। उन्हें पहले भारतीय वन सेवा (आईएफएस) में जगह मिली और वह ओडिशा के मयूरभंज जिले में आईएफएस अधिकारी के तौर पर तैनात हुए। उनका सपना आईएएस बनने का था। 2020 में उन्होंने फिर से यूपीएससी की परीक्षा दी और इस बार 482वीं रैंक हासिल की। इस सफलता ने उन्हें 2021 बैच का IAS अधिकारी बनाया और वह ओडिशा कैडर में शामिल हुए। 2020 की कामयाबी के बाद उन्?होंने एक साल की ट्रेनिंग ली। इसके बाद वर्ष 2021 बैच का आईएएस नियुक्?त किया गया। आठ जून 2025 को ओडिशा विजिलेंस ने धीमन चकमा को 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। बताया जा रहा है कि एक स्?थानीय व्?यापारी से 20 लाख रुपये मांगे गए थे। इसी तय राशि में से आधी रकम दी गई थी। व्?यापारी का आरोप था कि चकमा ने उनके स्टोन क्रेशर यूनिट के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी थी। इसके बाद विजिलेंस ने जाल बिछाया और चकमा अपने सरकारी आवास पर रिश्वत लेते पकड़े गए। केमिकल टेस्ट में उनके हाथ और दराज दोनों पॉजिटिव पाए गए। इसके बाद उनके आवास से 47 लाख रुपये नकद और बरामद हुए। सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कई लोगों ने इसे सिस्टम की नाकामी बताया, तो कुछ ने इसे व्यक्तिगत लालच का नतीजा माना। एक यूजर ने लिखा- चार साल की नौकरी में इतना भ्रष्टाचार? ये लोग यूपीएससी में एथिक्स कैसे पढ़ते हैं? यह पहला मामला नहीं है। अधिकारी रिश्वत लेते पकड़े जाते रहे हैं किंतु सेवा प्रारंभ होने के दौरान ही रिश्वत लेने का पहला मामला है। इस मामले से समझा जा सकता है कि ये अब न पकड़े गए होते तो सेवा के दौरान जनता का कितना खून चूसते।

दिल्ली उच्च न्यायालय के जस्टिस वर्मा के घर नई दिल्ली स्थित 30, तुगलक क्रीसेंट स्थित सरकारी आवास के बाहरी हिस्से में 14 मार्च की रात करीब 11:30 बजे आग लगी। इसमें बड़ी तादाद में नोट जले। जस्टिस वर्मा कहते रहे कि रुपये उनके नहीं है। पूरी कोशिश मामले को दबाने की हुई। मामले के न दबने पर इन्हें दिल्ली से इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेज दिया गया, हालांकि इलाहाबाद के वकीलों ने इनके आने का विरोध किया। परिणाम स्वरूप इन्हें कार्य नही दिया गया, किंतु लगभग तीन माह बीत जाने के बाद भी उनके खिलाफ कोई आरोप दर्ज नही हुआ। जबकि सामान्य मामले में बड़े से बडे अधिकारी, जनसेवक, नेता और मंत्री के खिलाफ मुकदमा ही दर्ज नही होता, वे जेल भी जाते। इन घटनाओं के उदाहरण थोक में मिल जाएंगे। जस्टिस वर्मा का मामला राज्य सभा में भी उठ चुका है।

हाल ही में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के सदस्यों को संबोधित करते हुए न्यायपालिका में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने एक पुराने न्यायिक आदेश के कारण एफआईआर दर्ज न होने और जस्टिस वर्मा के आवास से बरामद नकदी के मामले पर सवाल उठाए।

उपराष्ट्रपति ने न्यायिक समितियों की भूमिका और न्यायिक निर्णयों पर पैसों के संभावित प्रभाव पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सरकार आज लाचार है क्योंकि एक न्यायिक आदेश एफआईआर दर्ज करने में बाधा बना हुआ है। अगर कोई अपराध हुआ है तो उसकी एफआईआर दर्ज होनी चाहिए थी। यह सबसे बुनियादी और शुरुआती कदम है, जो पहले ही दिन उठाया जा सकता था।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि मौजूदा स्थिति में जब तक न्यायपालिका के सर्वोच्च स्तर से अनुमति नहीं मिलती, तब तक एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती। उन्होंने सवाल उठाया कि 'अगर यह अनुमति नहीं दी गई तो क्यों?' 'क्या किसी न्यायाधीश को हटाने का प्रस्ताव ही इस संकट का समाधान है? उपराष्ट्रपति ने जस्टिस यशवंत वर्मा के निवास से बरामद नकदी की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि यह न्यायपालिका की छवि को गहरा आघात देने वाला मामला है। उन्होंने पूछा, अगर यह घटना सामने नहीं आती, तो क्या हमें कभी पता चलता कि और भी ऐसे मामले हो सकते हैं? जगदीप धनखड़ ने जोर दिया कि जब नकदी मिलती है तो हमें यह जानना चाहिए कि वह पैसा किसका है, उसकी मनी ट्रेल क्या है, और क्या उस पैसे ने न्यायिक निर्णयों को प्रभावित किया। जगदीप धनखड़ ने कहा कि जब जनता का अन्य संस्थाओं से विश्वास उठता है, तब भी वे न्यायपालिका की ओर आशा से देखते हैं। उन्होंने कहा, हमारे न्यायाधीशों की बुद्धिमत्ता और परिश्रम अद्वितीय है लेकिन अगर वहीं संदेह की दृष्टि में आ जाएं तो लोकतंत्र की नींव ही हिल जाएगी। यह सोचना कि मीडिया का ध्यान हटते ही मामला ठंडा पड़ जाएगा, एक बहुत बड़ी भूल होगी। इस अपराध के लिए जो भी जिम्मेदार हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाना चाहिए। धनखड़ ने आगे कहा, मैं पूर्व मुख्य न्यायाधीश का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने दस्तावेजों को सार्वजनिक किया। हम ये कह सकते हैं कि नकदी की जब्ती हुई क्योंकि रिपोर्ट कहती है और रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक की। हमें लोकतंत्र के विचार को नष्ट नहीं करना चाहिए। हमें अपनी नैतिकता को इस कदर गिराना नहीं चाहिए। हमें ईमानदारी को समाप्त नहीं करना चाहिए। इन मामलों को देख हमें सोचना होगा कि समाज कहां जा रहा है। प्रशासन तंत्र, जनसेवक और न्यायपालिका को सामाजिक मानदंड और एथिक्स में क्या पढ़ाया जा रहा है, कैसे पढ़ाया जा रहा है। दरअसल भारतीय समाज में बढ़ा कदाचार समाज में बढ़ी भौतिकता की देन है। पहले जीवन आदर्श महत्वपूर्ण थे। ईमानदार व्यक्ति को समाज में सम्मान मिलता था। अब समाज के मानक बदल गए। अब पैसे वाले को सम्मान मिलता है। ये कोई नही पूछता कि पैसा आया कहां से और कैसे आया। परिवार सदस्य ही परिवार के ईमानदार मुखिया को बेवकूफ मानते हैं। ईमानदारी के लिए समय-समय पर उसका अपमान करते हैं। बढ़ते कदाचार को रोकने के लिए हमें अपने सामाजिक मिथक का पाठ प्रारंभ से ही बच्चों को पढ़ाना होगा। उन्हें ये भी बताना होगा कि कानून के हाथ बड़े लंबे हैं। इसके चंगुल में फंसने पर सजा तो काटनी ही पड़ेगी। सम्मान को भी बट्टा लगेगा। निगरानी तंत्र को मजबूत करना होगा। इन मामलों में त्वरित न्याय की व्यवस्था करानी होगी ताकि इनकी सजा से अन्य सीख लें।

सोशल मीडिया बच्चों को हिंसक एवं बीमार बना रहा है

ललित गर्ग

सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग से बच्चों का बचपन न केवल प्रभावित हो रहा है, बल्कि बीमार, हिंसक एवं आपराधिक भी हो रहा है। यह चिंताजनक एवं चुनौतीपूर्ण है। यह बच्चों को समय के प्रति, परिवार एव सामाजिक कौशल के प्रति और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। सोशल मीडिया ने बच्चों से बाल-सुलभ क्रीड़ाएं ही नहीं छीनी बल्कि दादी-नानी की कहानियों से भी वंचित कर दिया है। कुछ विशेषज्ञ इस बात से चिंतित हैं कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से बच्चे अनैतिक, उग्र, जिद्दी एवं आक्रामक भी हो रहे हैं, जो उन्हें चिंता और अवसाद में धकेल रहे हैं। बच्चें सोशल मीडिया पर वक्त ज्यादा गुजार रहे हैं, ऑनलाइन गेम्स ने बच्चों की दुनिया ही बदल दी है। अब ये आवाज उठने लगी है कि क्यों न बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग को प्रतिबंधित कर देना चाहिए? टेन के हार्परकॉलिन्स और नीलसन आईक्यू की एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में ऐसे ही चिन्ताजक तथ्य सामने आये हैं कि बड़ी संख्या में युवा माता-पिता कहानियों की बजाय डिजिटल मनोरंजन को प्राथमिकता दे रहे हैं। पंचतंत्र से लेकर स्नो व्हाइट पिनोकियो जैसी कहानियां अब शेल्फ पर धूल फांक रही हैं। नये बन रहे समाज एवं परिवार में सोशल मीडिया जहर घोल रहा है।

स्मार्टफोन बड़ों ही नहीं, बच्चों के हाथ में आ गया है। जवान और बूढ़े ही नहीं छोटे-छोटे बच्चे तक इसके आदी होते जा रहे हैं। व्हाट्सएप, फेसबुक, गेम्स सब कुछ स्मार्टफोन पर होने की वजह से बच्चों और युवाओं में इसकी आदत अब धीरे-धीरे लत में तब्दील होती जा रही है। सोने के समय बच्चों को कहानियां सुनाना या उनके लिए लोरियां गाना कभी पारिवारिक संस्कृति का अहम हिस्सा हुआ करता था। दादी-नानी हों या माता-पिता की सुनाई गई परीकथाएं बच्चों के लिए नींद से पहले की सबसे प्यारी यादें होती थीं। लेकिन अब सोशल मीडिया के आने से इसके बिना बचपन सूना हो रहा है। बच्चे किताबों और खेलकूद के मैदानों से दूर हो रहे हैं। स्क्रीन की नीली रोशनी उनकी आंखों के साथ दिमागी सेहत पर भी बुरा असर डाल रही है। इसके अलावा शारीरिक श्रम एवं रचनात्मकता भी कम हो गई है। यह केवल पश्चिमी देशों की ही नहीं, भारत की भी सच्चाई बन चुकी है। जेन जेड यानी 1996 से 2010 के बीच जन्मे युवा माता-पिता अब इस प्यारी परंपरा से मुंह मोड़ रहे हैं। हालिया शोधों से पता चला है कि अब कहानियां पढ़ना-सुनाना जेन जेड माता-पिता के लिए जिम्मेदारी एवं मनोरंजन नहीं बल्कि एक थकाऊ काम बन गया है। मोबाइल अब केवल बच्चों के लिए ही समस्या नहीं है, बल्कि बड़े भी इसकी चपेट में हैं। यह सिर्फ फोन या मैसेज करने तक ही सीमित नहीं रहा है। ना जाने कितने ही तरह के ऐप्स, व्हाट्सएप, फेसबुक जैसी सोशल मीडिया एप, और गेम्स बड़ो एवं बच्चों को दिन भर व्यस्त रखते हैं। लेकिन अगर मोबाइल के बिना आपको बेचैनी होती है तो समझ जाइये कि आप भी इस एडिक्शन के शिकार होते जा रहे हैं जो आपके लिए चिन्ता की बात है।

टेन के हार्परकॉलिन्स और नीलसन आईक्यू की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में खासकर महानगरों और शहरी इलाकों में सोशल मीडिया का बच्चों में प्रचलन अधिक बढ़ रहा है। पढ़ने को मनोरंजन एवं ज्ञान का हिस्सा मानने की बजाय 'गंभीर पढ़ाई' से जोड़कर देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक नई पीढ़ी के अभिभावकों को लगता है कि बच्चों को कहानी सुनाना एक अतिरिक्त जिम्मेदारी है। शहरीकरण एवं पारिवारिक संरचना में बदलते स्वरूप से पिछले दस सालों में बड़े बदलाव हुए हैं, संयुक्त परिवार की जगह अब एकल परिवार हैं, जहां दादी-नानी जैसे कहानी सुनाने वाले सदस्य मौजूद नहीं है। समय की कमी, कामकाजी जीवन की व्यस्तता और थकान के कारण माता-पिता के पास बच्चों को कहानी सुनाने का समय नहीं बचता। नई पीढ़ी के माता-पिता खुद ही पढ़ने की आदत से दूर हो चुके हैं, जिससे बच्चों को प्रेरणा नहीं मिलती। स्कूल का होमवर्क भी इसमें बड़ी बाधा है। रिपोर्ट के आंकडों के अनुसार 41 प्रतिशत माता-पिता ही रोज अपने चार साल तक के बच्चों को कहानी सुनाते हैं। जबकि 2012 में यह आंकड़ा 64 प्रतिशत था। 28 प्रतिशत जेन जेड माता-पिता पढ़ने को एक मजेदार गतिविधि नहीं मानते।

बच्चों की सोशल मीडिया चैनल्स पर उपस्थिति उन्हें वास्तविक जीवन से दूर करके वर्चुअल दुनिया में ले जा रही है। जहां दिखावटीपन एवं नकारात्मकता की भरमार है। इससे बच्चों का बचपन तो छिन ही रहा है, उनका मानसिक एवं शारीरिक विकास भी अवरुद्ध हो रहा है। सोशल मीडिया यानी यूट्यूब-इंस्टा, अन्य सोशल साइट की लत बच्चों को वास्तविक दुनिया से दूर कर रही है और उनकी एकाग्रता, याददाश्त और ध्यान की क्षमता को कम करके उन्हें अपंग, बीमार एवं हिंसक बना रही है। बच्चे अपने प्रश्नों का हल या समस्या का निवारण किताबों में ढूँढकर पढ़ने के बजाय केवल मोबाइल पर ढूंढने के आदी होते जा रहे हैं जो उचित नहीं है। मोबाइल और साइबर एडिक्शन अब एक गम्भीर समस्या बनती जा रही है जो बच्चों की दिनचर्या पर बुरा असर डाल रही है। इससे मानसिक विचलन और चिड़चिड़ापन बढ़ता जा रहा है कि हम छोटी छोटी बातों पर घर-परिवार के सदस्यों पर गुस्सा करने लग गये हैं।

मोबाइल आपके बच्चे से उसका बचपन ही नहीं छीन रहा है बल्कि उसे हिंसक भी बना रहा है। हरियाणा में 9 साल के एक बच्चे को इसकी इतनी बुरी लत थी कि उसने स्मार्टफोन छीने जाने की वजह से अपना हाथ काटने की कोशिश की। मोबाइल की लत का ये इकलौता मामला नहीं है। 12 साल का अविनाश मोबाइल के बिना एक पल नहीं रह सकता। उससे अगर मोबाइल छीन लिया जाये तो वो गुस्से में आ जाता है। ऐसी ही लत है भोपाल यूनिवर्सिटी की प्रिया को। उसे व्हाट्सऐप की ऐसी लत लगी कि वह पूरी रात जगी रह जाती है। अब वह इस लत से छुटकारा पाने के लिए मानसिक अस्पताल में काउन्सलिंग ले रही है। मोबाइल की लत से बच्चे आपराधिक भी होते जा रहे हैं और गलत कदम तक उठा रहे हैं। अभी हाल ही में ग्रेटर नोएडा में एक 16 वर्षीय लड़के ने अपनी माँ और बहन की हत्या कर दी क्योंकि बहन ने शिकायत कर दी थी कि भाई दिन भर मोबाइल फोन पर खतरनाक गेम खेलता रहता है और इसलिए माँ ने बेटे की पिटाई की, उसे डाँटा और उसका मोबाइल छीन लिया। मोबाइल पर मारधाड़ वाले गेम खेलते रहने के आदी लड़के का गुस्सा इसी से बढ़ गया। इसी तरह कुछ महीनों पहले कोटा में एक 16 वर्षीय किशोर ने फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस की जाँच पड़ताल में पता चला कि बच्चे को पबजी गेम खेलने की लत थी और दिनभर मोबाइल में गेम खेलता रहता था। जब घरवालों ने मोबाइल छीन लिया और देने से मना कर दिया तो यह गलत कदम उठा लिया।

देश में बड़े अस्पतालों में मोबाइल की लत के शिकार लोगों के इलाज के लिए खास क्लीनिक हैं। और यहाँ आने वाले मरीजों की संख्या जिनमें बच्चें बहुतायत में हैं, अब दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। मोबाइल और एप बनाने वाली कम्पनियाँ अपने मुनाफे के लिए कितनी अमानवीय हो गयी हैं कि यह सब जानते हुए भी लोगों को मानसिक रोग के गड्ढे में धकेल रही हैं। वे नये-नये गेम बनाकर मुनाफा बटोर रही हैं। परिवार एवं समाज में जागरूकता अभियान के साथ सरकार को इस उभर रहे बड़े संकट पर ध्यान देना होगा। बच्चों को खेल, कला, संगीत और अन्य गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षा के बारे में जानकारी दें और उन्हें साइबर अपराधों से बचने के तरीके सिखाएं। बच्चों को सोशल मीडिया का उपयोग करने के बारे में सही जानकारी देना और उन्हें इसके नकारात्मक प्रभावों से बचाना जरूरी है।

108 सोने के घड़ों से स्नान करेंगे भगवान जगन्नाथ

ओ डिशा के जगन्नाथ पुरी में 11 जून को स्नान पूर्णिमा मनेगी। इस दिन भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ श्री मंदिर में भक्तों के सामने स्नान करते हैं। पूरे साल में सिर्फ इसी दिन भगवान जगन्नाथ को मंदिर में ही बने सोने के कुंए के पानी से नहलाया जाता है, इसलिए इसे स्नान पूर्णिमा कहते हैं। स्नान के बाद भगवान बीमार हो जाते हैं और 15 दिन तक किसी को दर्शन नहीं देते। 16वें दिन नवयौवन श्रंगार के साथ दर्शन देते हैं। उसके अगले दिन रथयात्रा पर निकलते हैं। गुंडीचा मंदिर अपनी मौसी के यहां जाते हैं। जब भगवान बीमार रहते हैं, तब 27 किलोमीटर दूर आलारनाथ मंदिर में दर्शन होते हैं। माना जाता है इन दिनों आलारनाथ मंदिर में दर्शन से भगवान जगन्नाथ के दर्शन का पुण्य मिलता है। आलारनाथ भगवान जगन्नाथ के भक्त थे।

15 दिन रहेंगे बीमार, 17 को होगी रथयात्रा

रोज शीशे में भगवान की छवि को स्नान करवाते हैं, ताकि बीमार न हो

मंदिर के पुजारी बताते हैं कि सालभर भगवान को गर्भगृह में ही स्नान कराते हैं, लेकिन प्रक्रिया अलग है। इसमें भगवान की मूर्ति के सामने बड़े-बड़े शीशे लगाते हैं। फिर उन शीशों में जो भगवान की तस्वीर दिखती है, उस पर धीरे-धीरे पानी डालते हैं। इस तरह स्नान करवाने की दो वजह हैं।
पहली, भगवान की मूर्ति लकड़ी से बनी है उस पर पवित्र रंगों से आकृति उकेरी गई है। उस पर रोज पानी लगेगा तो प्रतिमा बिगड़ जाएगी। दूसरी वजह के पीछे मान्यता है कि भगवान बहुत कोमल हैं और उन्हें हर दिन नहलाएंगे तो वे बीमार पड़ सकते हैं। इसी कारण साल में एक बार रथयात्रा से 16 दिन पहले पड़ने वाली ज्येष्ठ महीने की पूर्णिमा पर भगवान की प्रतिमाओं को मंदिर से बाहर लाया जाएगा। इसे स्नान यात्रा कहते हैं। मंदिर प्रांगण में मंच तैयार होगा। इसे स्नान मंडप कहते हैं। इसी मंडप में भगवान को विराजित करेंगे।
11 जून, बुधवार को सुबह मंदिर में ही मौजूद स्वर्ण कुआं निगरानी करने वाले सेवादार की मौजूदगी में खुलेगा। वैदिक मंत्रों के साथ स्नान की विधि शुरू होगी। सोने के कुएं के पानी से भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन को सोने के 108 घड़ों से स्नान करवाया जाएगा।

मान्यता : सोने की ईंट वाला कुआं, इसमें सभी तीर्थों का जल होता है

यह 4-5 फीट चौड़ा वर्गाकार कुआं है। ये जगन्नाथ मंदिर प्रांगण में ही देवी शीतला और उनके वाहन सिंह की मूर्ति के ठीक बीच में बना है। इसमें नीचे की तरफ दीवारों पर पांड्य राजा इंद्रद्युम्न ने सोने की ईंटें लगवाईं थीं। मंदिर के पुजारियों का कहना है कि इस इस कुएं में कई तीर्थों का जल है।
सीमेंट-लोहे से बना इसका ढक्कन करीब डेढ़ से दो टन वजनी है, जिसे 12 से 15 सेवक मिलकर हटाते हैं। जब भी कुआं खोलते हैं,इसमें स्वर्ण ईंटें नजर आ जाती हैं। ढक्कन में एक छेद है, जिससे श्रद्धालु सोने की वस्तुएं इसमें डाल देते हैं।

कस्तूरी, केसर और अन्य औषधियों से होता है स्नान

स्नान के लिए सोने के 108 घड़ों में पानी भरा जाता है, उनमें कस्तूरी, केसर, चंदन और कई तरह की औषधियां मिलाएंगे। स्नान मंडप में तीन बड़ी चौकियों पर भगवानों को विराजित किया जाएगा। भगवान पर कई तरह के सूती कपड़े लपेटते हैं, ताकि उनकी काष्ठ काया पानी से बची रहे। फिर भगवान जगन्नाथ को 35, बलभद्र जी को 33, सुभद्राजी को 22 घड़ों से नहलाएंगे और बचे हुए 18 घड़े सुदर्शन जी पर चढ़ाएं जाएंगे।

आज गुरु अस्त के साथ मांगलिक कार्यों पर लगेगा विराम

मां गलिक कार्यों पर बुधवार से लगभग पांच माह तक विराम लग जाएगा। बृहस्पति 11 जून को अस्त हो रहे हैं ओर छह जुलाई को देवशयनी एकादशी है, दोनों कारणों से अब नवंबर में ही मांगलिक कार्य हो सकेंगे। इस बीच शादी विवाह पर विराम रहेगा। पंडित शरद चंद्र मिश्र के अनुसार, 11 जून बुधवार को बृहस्पति अस्त हो रहे हैं। इसके साथ ही छह जुलाई को देवशयनी एकादशी होने पर भगवान विष्णु योग निद्रा में चार माह के लिए चले जाएंगे। इस कारण नवंबर तक मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान मांगलिक कार्यों पर पूरी तरह से विराम लग जाएगा।

इन कार्यों में लगता है विराम: भगवान विष्णु के योग निद्रा अवधि को चातुर्मास कहा जाता है। यह अवधि चार महीने की होती है। चातुर्मास के दौरान शादी-विवाह, जनेऊ, मुंडन, गृह प्रवेश आदि जैसे सभी मांगलिक कार्य बंद हो जाते हैं। इस अवधि में साधु-संत और सन्यासी चार महीने तक भजन-कीर्तन, भगवत गुणगान, कथा-प्रवचन जैसे धार्मिक कार्यों में लीन रहते हैं।
नवंबर-दिसंबर में फिर बजेगा बैंड-बाजा: चातुर्मास का समापन 18 नवंबर को कार्तिक शुक्ल देवोत्थान एकादशी के दिन श्रीहरि विष्णु के निद्रा से जागृत होने के साथ होगा। इसके बाद ही मांगलिक कार्य एक बार फिर से शुरू हो पाएंगे।
चातुर्मास में क्या करें और क्या न करें: चातुर्मास के दौरान भगवत पूजन, शिव पुराण का पाठ, महामृत्युंजय का जाप, एकांतवास में स्वाध्याय, दान-पुण्य, गौ एवं ब्राह्मण की सेवा और तीर्थ यात्रा जैसे धार्मिक कार्य करने चाहिए। इस अवधि में शादी-विवाह, उपनयन, मुंडन, गृह प्रवेश और कीमती चीजों की खरीदारी जैसे मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए।

हर वक्त स्ट्रेस से घिरे रहते हैं तो खुद में लाएं ये 5 बदलाव

मां आजकल की भागदौड़ की जिंदगी में हर इंसान किसी न किसी बात को लेकर परेशान है. ऐसे में हम कई बार छोटी- छोटी बातों पर तनाव ले लेते हैं और धीरे-धीरे करके ये हमारी आदत बन जाता है. जैसे -जैसे उम्र बढ़ती जाती है वैसे-वैसे जिम्मेदारियां बढ़ती हैं और फिर शुरू होती है स्ट्रेस की कहानी। जो धीरे-धीरे करके इंसान को परेशान कर देती है, जिम्मेदारियों के साथ स्ट्रेस आना लाजमी है पर अगर ये आपकी आदत बन गया है और कई बार हम तनाव की वजह से अपने रोजमर्रा के कामों को भी सही से नहीं कर पाते हैं, जिसकी वजह से हम और परेशान हो जाते हैं। इसलिए अगर आप भी स्ट्रेस से बचने के लिए कोई तरीका ढूढ़ रहे हैं तो इस आर्टिकल में कुछ ऐसे आसान तरीके बताए गए हैं जिन्हें अपनाकर आप स्ट्रेस को दूर कर सकते हैं।

छोटे-छोटे मील्स लें

आप एक बार में खाना खाने की जगह दिन में 3-4 मील्स लें। जिससे आपकी भूख तो कंट्रोल होती है बल्कि आप ओवरइटिंग की आदत से बचते हैं जिससे आपका वजन भी कंट्रोल में रहता है। इससे मेटाबॉलिज्म़ बूस्ट होता है और एनर्जी लेवल भी बढ़ता है। ये वेट को कंट्रोल करने, ब्लड शुगर लेवल को सही रखने और शरीर में एनर्जी को बूस्ट करने में हेल्प करता है।

एक्सरसाइज और योगासन करें

आप चाहें तो जिम जाकर भी वर्कआउट कर सकते हैं या फिर योगासन भी कर सकते हैं। आपको बहुत ज्यादा हैवी एक्सरसाइज नहीं करनी है। रोज कम से कम 30 मिनट एक्सरसाइज और वॉक पर जाएं। ये आपके शरीर को फिट रखने में मदद करेगा। एक्सरसाइज से हड्डियां मजबूत होती हैं, हार्ट हेल्थ दुरुस्त रहती है और ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है।

पूरी नींद लें :- अगर आप स्वस्थ्य जीवन जीना चाहते हैं तो नींद को अपना बेस्ट फ्रेंड बना लें। मतलब कि रात को समय से सोने से आपकी आधी समस्याएं तो वैसे ही खत्म हो जाती है। कम से कम 7 से 8 घंटे की नींद जरूर लें। एनसीबीआई में छपी एक रिसर्च से मुताबिक जो लोग 6 से 7 घंटे की नींद रोजाना लेते हैं, वो दूसरों के मुकाबले ज्यादा लंबी उम्र जीते हैं। इससे आपको थकान, कमजोरी, तनाव कम महसूस होगा। ये आपकी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को दुरूस्त रखने में मदद करेगा।

3 दिन में लगने लगेगा अच्छा!

बढ़ती उम्र में अगर स्ट्रेस भी बढ़ रहा है तो इसके कई कारण हो सकते हैं। जिनकी वजह से आप हमेशा मानसिक तनाव में रहते हैं। अगर आप अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव करते हैं तो स्ट्रेस को कम किया जा सकता है। तो आइए जानते हैं कि तनाव की समस्या से राहत पाने के लिए आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

शरीर के इन हिस्सों में रहे दर्द तो हो जाएं अलर्ट !

क भी-कभी हमारी बॉडी हमें चुपके से संकेत देती है कि शरीर केअंदर सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। कई बार ये संकेत दर्द के जरिए मिलता है। यूं तो दर्द कई तरह के होते हैं, लेकिन कुछ खास जगहों पर बार-बार या बिना वजह होने वाला दर्द, शरीर के अंदर चल रही किसी बड़ी परेशानी का इशारा हो सकता है। खासकर जब बात किडनी की हो, तो यह परेशानी और भी गंभीर हो सकती है। किडनी शरीर का एक बेहद अहम हिस्सा हैं जो खून को साफ करने, टॉक्सिक एजेंट्स को बाहर निकालने और बॉडी में लिक्विड का बैलेंस बनाए रखने में मदद करता है। अगर यह ठीक से काम ना करे, तो इसका असर शरीर के कई हिस्सों में दिखने को मिल सकता है। चलिए जानते हैं शरीर के किन अंगों में हो रहा दर्द किडनी से जुड़ी बीमारी का संकेत हो सकता है।

किडनी खराब होने का हो सकता है संकेत

कमर के नीचे या पीठ में दर्द

किडनी की बीमारी का सबसे सामान्य लक्षण कमर के निचले हिस्से या पीठ में दर्द है लेकिन अक्सर इसे नजरअंदाज कर दिया जाता है। शुरुआत में ये दर्द हल्का होता है, लेकिन धीरे-धीरे ये तेज होने लगता है। आमतौर पर ये दर्द कमर की एक साइड में जहां किडनी होती है, वहां अधिक होता है। अगर यह दर्द लगातार बना रहे या दवा लेने पर भी आराम ना मिले, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। ये लक्षण किडनी में इन्फेक्शन, पथरी या किडनी फेल होने की शुरुआती चेतावनी हो सकते हैं।

पेट या पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द

किडनी की बीमारी के कारण पेट में मरोड़ या तेज दर्द हो सकता है। इसके अलावा इसकी वजह से पेट फूला हुआ सा भी लग सकता है। अक्सर पेट का ये दर्द गैस या अपच जैसा लगता है, जिससे लोग कन्फ्यूज हो जाते हैं। लेकिन जब किडनी ठीक से काम नहीं करती, तो शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं, जिससे पेट में जलन या सूजन महसूस हो सकती है। खासकर अगर पेट दर्द के साथ पेशाब के रंग या गंध में भी बदलाव हो रहा हो, तो ये किडनी से जुड़ा एक गंभीर संकेत हो सकता है।

मॉनसून में अब नहीं होंगे बाल खराब

इन असरदार नुस्खों का करें इस्तेमाल

ब रसात आते ही गर्मियों से राहत मिलती है। मौसम सुहावने लगते हैं, ठंडी हवाएं चलती हैं और बारिश की फुहारें बालों में प्रॉब्लं लेकेयर आती हैं। बढ़ी हुई नमी, एसिडिक बारिश और फंगल इन्फेक्शन बालों की जड़ों को कमजोर कर सकती है जिससे बाल झड़ने लगते हैं। अगर आप इन सभी परेशानियों से जल्द से जल्द छुटकारा पाना चाहते हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए है कि कैसे आप घर के सामान से ही बालों को रख सकते हैं।

मॉनसून में क्यों झड़ते हैं बाल :- मॉनसून में ही सबसे ज्यादा बाल क्यों झड़ते हैं ये सोचने वाली बात होती है। ऐसा इसलिए भी होता है क्योंकि बारिश की नमी के कारण सिर में पसीना और तेल ज्यादा बनने लगता है। जिसके कारण बालों में रूसी कि समस्या शुरू हो जाती है।रूसी हों के कारण बालों कि जड़ें कमजोर हो जाती हैं। एक बार अगर बालोन में रूसी की समस्या शुरू हुई तो फिर बालों के झड़ने का मुख्य कारण वही बन जाता है।

कैसे रखे बालों का ख्याल :- बालों का ख्याल रखने के लिए सबसे बेहतर उपाय है घरेलू नुस्खे। घरेलू नुस्खों स् बालों को कोई नुकसान नहीं होता है, बल्कि बाल और भी ज्यादा हेल्दी और शाइनी हो जाती है। इसलिए महंगे प्रोडक्ट्स को ज्यादा अपने बालों में नहीं इस्तेमाल करना चाहिए।

कपूर और नरियाल का तेल :- कपूर और नारियल का तेल रूसी को बालों से दूर रखता हैं। इसे जरूरी है कि बाल धोने से कुछ देर पहले लगाकर बालों को अच्छे से कंघी करें। ऐसा करने से बालोक कि जड़ों से रूसी धीरे-धीरे निकाल जाएगी।

भारतीय कर्मचारियों में चिंता, डिप्रेशन और मानसिक तनाव के लक्षण

द लिव लव लाफ फाउंडेशन जो 2015 में स्थापित एक चैरिटेबल ट्रस्ट है, ने आज अपने कॉर्पोरेट मेंटल हेल्थ एंड वेल-बीइंग प्रोग्राम की शुरुआत की। यह एक व्यापक और शोध-आधारित पहल है, जिसे पूरे भारत में संगठनों को मानसिक रूप से मजबूत कार्यस्थल तैयार करने में मदद करने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है।
मैकिन्से हेल्थ इंस्टीट्यूट द्वारा 2023 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि भारतीय कर्मचारियों में बर्नआउट, चिंता, डिप्रेशन और मानसिक तनाव के लक्षण बड़े पैमाने पर देखे जा रहे हैं। करीब 60% कर्मचारियों ने बर्नआउट की शिकायत की, जबकि 51% ने बताया कि वे काम के भारी दबाव में हैं। ये आंकड़े कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को लेकर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।
डॉ. श्याम भट, चेयरपर्सन, द लिव लव लाफ फाउंडेशन ने कहा, "भारतीय कंपनियों को सिर्फ कर्मचारी सहायता कार्यक्रमों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। सालाना सर्वेक्षण या तात्कालिक उपायों की बजाय, हमें कार्यस्थल की मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों की जड़ तक पहुंचने और उन्हें दूर करने के लिए डेटा-आधारित और व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाना होगा। अगर हम जागरूकता फैलाएं, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कलंक को कम करें और ठोस जानकारी के आधार पर कदम उठाएं, तो कंपनियां ऐसे समाधान तैयार कर सकती हैं जो वास्तव में असरदार हों।"
सितंबर 2022 में, डेलॉइट ने अनुमान लगाया कि भारत में कर्मचारियों के खराब मानसिक स्वास्थ्य के कारण भारतीय कंपनियों को हर साल 1,10,000 करोड़ (लगभग 14 अरब अमेरिकी डॉलर) का नुकसान होता है। किरण मजूमदार-शॉ, ट्रस्टी, द लिव लव लाफ फाउंडेशन एवं चेयरपर्सन, बायोकॉन ग्रुप ने कहा, "मानसिक स्वास्थ्य हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य का एक जरूरी हिस्सा है, और कंपनियों को समझना चाहिए कि इसका सीधा असर उनकी उत्पादकता, नवाचार और दीर्घकालिक मजबूती पर पड़ता है। अगर कर्मचारी तनाव में हैं और कार्य से जुड़ाव नहीं महसूस कर रहे, तो यह उनकी क्षमता और नए विचारों को बाधित करता है, जिससे कारोबार और अर्थव्यवस्था दोनों प्रभावित होते हैं।

सोया चाप रेसिपी

आवश्यक सामग्री :- सोया चाप स्टिक घर पर बनाने के लिए आपको चाहिए होगा 1 कप भिगोए हुए सोयाबीन, 1 कप सोया नगेट्स उबले हुए, 1 कप मैदा, 3 टी स्पून, 1/4 कॉर्न फ्लोर और जरूरत के मुताबिक नमक

बनाने की विधि :- सोया चाप स्टिक बनाने के लिए सबसे पहले तो सोयाबीन लें और उसे साफ कर लें। उसे रातभर के लिए पानी में भिगोकर रख दें। अगले दिन सुबह पानी से निकाले और उसे एक बार फिर साफ पानी से धो लें। अब उसे मिक्सी में डालकर पीस लें। अब इसके बाद सोया नगेट्स लें और उन्हें उबालें। अब इन्हें ठंडा होने के लिए रख दें। इसके बाद इस भी मिक्सकर जार में डालकर पीस लें।
अब एक मिक्सी में पिसा हुआ सोया नगेट्स और सोयाबीन डालकर दोनों को अच्छी तरह से पीस लें। अब इस मिश्रण में बेसन, कॉर्न फ्लोर, मैदा और जरूरत के मुताबिक नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें और इसका सख्त आटा गूंथ लें। अब इसकी लोइयां बनाकर इससे रोटी बेलें और इसे लंबाई में काट लें। इसके बाद आइसक्रीम स्टिक लें और इसपर लपेटकर रखें।अब एक पतीला या बड़ा बर्तन लें। उसमें पानी डालकर गर्म करें। जब पानी उबलना शुरू हो जाए, तो उसमें तैयार की गई सोया चाप स्टिक्स डालें और पकाएं, जब कि स्टार्स अपने आप पानी के ऊपर आने लगे। अब इसे पानी से बाहर निकालकर ठंडा होने के लिए रखें। लीजिए बनकर तैयार है सोया चाप स्टिक्स। इससे आप सोया चाप मसाला और कुरकुरे सोया चाप अलग-अलग तरह से इसे आप डिश बना सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

आईएफएल एंटरप्राइजेज लिमिटेड को राइट्स इश्यू से 49.14 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी मिली; राइट इश्यू 19 जून, 2025 से सब्सक्रिप्शन के लिए खुला

मुंबई : कृषि वस्तुओं के आयात, निर्यात और व्यापार सहित एग्री कोमोडिटी बिझनेस में लगी आईएफएल एंटरप्राइजेज लिमिटेड (बीएसई - 540377) का 49.14 करोड़ रुपये का राइट्स इश्यू 19 जून, 2025 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 30 जून, 2025 तक खुला रहेगा। राइट्स इश्यू की कीमत आकर्षक रूप से 1 रुपये प्रति शेयर रखी गई है, जो मौजूदा शेयरधारकों को कंपनी में अपनी इक्विटी बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है। 9 जून 2025 को आयोजित बैठक में बोर्ड ओफ डिरेक्टर्स ने राइट्स इश्यू पर विचार किया और उसे मंजूरी दी। इससे पहले, कंपनी के बोर्ड ओफ डिरेक्टर्स ने 30 दिसंबर, 2024 को और 07 मार्च, 2025 के ड्राफ्ट लेटर ऑफ ऑफर को 50 करोड़ रुपये (पचास करोड़ रुपये) तक के प्रस्तावित राइट इश्यू के लिए 'सैद्धांतिक अनुमोदन' प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत किया और बीएसई लिमिटेड से 19 मई, 2025 के लेटर नंबर LOD/RIGHT/KS/FIP/213/2025-26 के माध्यम से 'सैद्धांतिक अनुमोदन' प्राप्त हुआ। रिकॉर्ड तिथि - 13 जून, 2025 को इक्विटी शेयर रखने वाले शेयरधारक प्रत्येक 91 फुल्ली पेईड इक्विटी शेयरों के लिए 60 राइट इक्विटी शेयरों के अनुपात में राइट शेयरों के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे। ॠश्वह्य के ऑन-मार्केट रेनुन्सिएशन की अंतिम तिथि 24 जून, 2025 है। राइट्स इश्यू में 1 रुपए अंकित मूल्य वाले 49,14,76,620 फुल्ली पेईड अप इक्विटी शेयर शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत 49.14 करोड़ रुपए है। इश्यू से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया जाएगा। यह केपिटल राईझ नवनियुक्त मेनेजिंग डिरेक्टर श्री अभिषेक प्रतापकुमार ठक्कर के नेतृत्व में कंपनी की रणनीतिक दिशा का अनुसरण करता है, जिसका उद्देश्य परिचालन दक्षता को बढ़ाना और सेवा क्षमताओं का विस्तार करना है। मार्च 2025 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए, कंपनी ने ओपरेशन्स से 120.60 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 8.24 करोड़ रुपये के राजस्व की तुलना में 13 गुना अधिक है। वित्त वर्ष 25 में शुद्ध लाभ भी बढ़कर 2.99 करोड़ रुपये हो गया, जबकि वित्त वर्ष 24 में यह 84.5 लाख रुपये था, जो साल दर साल 254त्न की वृद्धि को दर्शाता है।

युक्तियुक्तकरण का फ़ायदा : धमतरी जिले में एक भी स्कूल शिक्षकविहीन नहीं, सभी स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने मिले टीचर्स, अब फैलेगा ज्ञान का उजियारा

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। / धमतरी जिले में स्कूलों और शिक्षकों के युतियुक्तकरण से सबसे ज़्यादा फ़ायदा एक शिक्षक वाले स्कूलों को हुआ है। ऐसे 170 स्कूलों में से 133 स्कूलों को अतिरिक्त शिक्षक मिल गए है। दूरस्थ अंचलों में शिक्षक विहीन और एकल शिक्षकीय शाला होने से बच्चों की पढ़ाई पर बुरा असर पड़ रहा था। वह अब शिक्षकों को पदस्थापना से दूर होने जा रहा है। धमतरी जिले में युक्तियुक्तकरण के बाद शिक्षकों की पदस्थापना से बिना टीचर वाले तीन प्राथमिक और चार मिडिल स्कूलों में भी शिक्षकों की पदस्थापना हो गई है इसके साथ ही 111 हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों को गणित तथा विज्ञान विषयों के टीचर भी मिल गए है। इससे इन शालाओं में शैक्षणिक वातावरण बेहतर होगा।

राज्य शासन के दिशा-निर्देश में जिले में अतिशेष शिक्षकों के काउंसलिंग की प्रक्रिया पूर्ण होने पश्चात जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में मौजूद शिक्षक विहीन और एकल शिक्षकीय विद्यालयों को अब न केवल नए शिक्षक मिले है, बल्कि विद्यार्थियों के लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा भी सुनिश्चित हुई है। जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र के बच्चों को टीचर्स की कमी के कारण पढ़ाई में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। शिक्षक नहीं होने से बच्चों का भविष्य अधर में था। लेकिन आज युक्तियुक्तकरण के माध्यम से शालाओं को शिक्षक मिलने से बच्चों के भविष्य को आशा की एक नई किरण दिखने लगी है। इससे बच्चों की पढ़ाई बेहतर होगी।

युक्तियुक्तकरण से पहले जिले के मैदानी इलाकों के स्कूलों में दर्ज संख्या के मान से अधिक शिक्षक कार्यरत थे और वहीं दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में विद्यार्थियों की दर्ज संख्या के मान अनुसार शिक्षक कार्यरत नहीं होने के कारण शिक्षक, छात्र-छात्राओं के अध्यापन कार्य में असंतुलन की स्थिति थी। टीचर्स के इस असंतुलित वितरण से कई विद्यालयों में बच्चों की पढ़ाई पर काफी नकारात्मक असर पड़ रहा था। गणित-विज्ञान, केमिस्ट्री, फिजिक्स, बायोलॉजी विषय के शिक्षकों की उपलब्धता नहीं होने से छात्रों को इन विषयों पर पकड़ बनाने में दिक्कत होती थी।

किसानों की आय दोगुनी करने विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन

राजनांदगांव। कृषि को आत्मनिर्भर और किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में ऑल वॉलंटरी एसोसिएशन फाउंडेशन, रायपुर द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन 29 मई से 12 जून 2025 तक किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय को दोगुना करने के लिए उन्हें उन्नत तकनीकों, प्राकृतिक संसाधनों के प्रभावी उपयोग और आधुनिक कृषि पद्धतियों से परिचित कराना है।

इस जागरूकता यात्रा के दौरान फाउंडेशन की टीम छत्तीसगढ़ राज्य के राजनांदगांव जिले के छुरिया और डोंगरगांव विकासखंडों के प्रमुख गाँवों विचारपुर, नवागांव टप्पा (डोंगरगांव ब्लॉक) एवं कल्डबरी, गोदलवाही (छुरिया ब्लॉक) का दौरा करेगी। यहां पर स्थानीय किसानों के साथ सीधा संवाद कर, उन्हें कृषि नवाचारों, जल संरक्षण, फसल विविधता, जैविक खेती और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

इस अभियान की एक खास विशेषता प्यासी खेती है, यह एक ऐसी तकनीक है, जिसमें कम पानी में भी अच्छी उपज ली जा सकती है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां जल संकट है, वहां प्यासी खेती किसानों के लिए एक लाभदायक विकल्प के रूप में उभर रही है। अभियान के दौरान फाउंडेशन के प्रशिक्षक किसानों को प्यासी खेती की विधियों जैसे-दलहनी फसलें, ग्रीष्मकालीन मूंग, ड्रिप सिंचाई तकनीक, मल्चिंग आदि पर व्यावहारिक प्रशिक्षण देंगे।

अभियान में महिला स्व.सहायता समूहों (एसएचजीएस) की भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे ग्रामीण महिलाएं भी कृषि आधारित उद्यमों से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकेंगी। साथ ही, अभियान में शामिल विशेषज्ञ कृषि वैज्ञानिकों और अनुभवशील किसानों के मार्गदर्शन से ग्रामीण कृषि क्षेत्र को दीर्घकालीन लाभ मिलेगा।

फाउंडेशन के संयोजक हेमशंकर जेठमल साहू ने बताया-हमारा उद्देश्य केवल जानकारी साझा करना नहीं है, बल्कि किसानों के बीच ऐसा विश्वास और तकनीकी क्षमता पैदा करना है, जिससे वे हर परिस्थिति में लाभकारी खेती कर सकें। प्यासी खेतीए फसल विविधीकरण और संसाधनों के समुचित उपयोग से किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन ले सकते हैं।

यह अभियान न केवल ज्ञानवर्धन का माध्यम है, बल्कि यह ग्रामीण विकासए कृषि सुधार और सामुदायिक सहभागिता की एक मिसाल भी बनेगा।

विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत कलडबरी में कृषकों की भागीदारी

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत आज ग्राम कलडबरी, विकासखंड-छुरिया में एक महत्वपूर्ण किसान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान को ऑल्वा फाउंडेशन एवं सृष्टिपूजा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी, डोंगरगांव का सहयोग प्राप्त है।

इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत कलडबरी की सरपंच जंत्री बाई, उपसरपंच टैटूराम रावते एवं पंचगण राजेन्द्र साहू, लोकेश्वरी निषाद, टीमें बाई कतलाम, फुलेश्वरी कतलाम, लीला बाई साहू, खिलेश्वरी साहू, दिलेश्वरी पटेल, सचिव तोरण लाल राणा ने सक्रिय भागीदारी दी और किसानों को अभियान की जानकारी दी।

कार्यक्रम में किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों, प्राकृतिक खेती, धान अवशेष प्रबंधन जल संरक्षण, फसल विविधीकरण एवं किसान उत्पादक संगठनों की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया गया।

विश्वास त्रिपाठी (कृषि विशेषज्ञ) ने धान के पराली प्रबंधन पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बताया कि किस प्रकार किसान धान की कटाई के बाद बचे खेतों का उपयोग अन्य फसलों की खेती में कर सकते हैं। इससे किसानों की आमदनी में वृद्धि होगी तथा मृदा की गुणवत्ता भी बनी रहेगी। उन्होंने यह भी बताया कि परंपरागत खेती के साथ-साथ वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

ऑल्वा फाउंडेशन के प्रतिनिधि हेमशंकर जेठमल साहू ने कार्यक्रम में किसानों को संबोधित करते हुए किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) की महत्ता और लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया किए

एफपीओ किसानों को एकजुट कर बाजार से सीधे जुड़ने का माध्यम बनता है। इसके माध्यम से किसान सामूहिक रूप से बीज, खाद, उपकरण और अन्य संसाधनों की खरीद कर सकते हैं, जिससे लागत में कमी आती है। साथ ही, संगठित रूप से विपणन कर अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। सरकार भी एफपीओ के माध्यम से अनुदान, प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान करती है। यह मॉडल किसानों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाता है।

कार्यक्रम के दौरान ऑल्वा फाउंडेशन की टीम एवं सृष्टिपूजा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के प्रतिनिधियों ने किसानों को सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं जैसे कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड, पीएम-किसान योजना, फसल बीमा योजना, जैविक खेती प्रोत्साहन योजना आदि की जानकारी दी और इनसे लाभ लेने हेतु प्रक्रिया बताई।

इस अभियान का उद्देश्य किसानों को उन्नत एवं टिकाऊ खेती की ओर प्रेरित करना है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि एवं पर्यावरण संतुलन को सुनिश्चित किया जा सके।

गांव के किसान भाइयों एवं बहनों ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और कृषि नवाचारों को अपनाने की इच्छा जाहिर की। अंत में सभी प्रतिभागियों ने विकसित कृषि संकल्प अभियान को सफल बनाने की शपथ ली।

बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक द्वारा ली गई जिले की समीक्षा बैठक

सुदृढ़ पुलिसिंग के लिए दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

सारंगढ़ योगेश कुर्रे (समय दर्शन) डॉ. संजीव शुक्ला(भापु से?) पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज द्वारा सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले का निरीक्षण किया। इस अवसर पर एसपी कार्यालय के सभाकक्ष में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले के पुलिस अधीक्षक श्री आंजनेय वार्ष्णेय समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना/चौकी प्रभारी, साइबर प्रभारी सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।बैठक में 28 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर समीक्षा करते हुए आईजी ने बेसिक पुलिसिंग, कानून व्यवस्था की वर्तमान स्थिति, नवीन विधिक प्रावधानों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया। आईजी महोदय ने साइबर अपराध को वर्तमान युग में पुलिस की सबसे बड़ी चुनौती बताते हुए सभी थाना प्रभारियों को थाने स्तर पर अधिकारी कर्मचारियों को साइबर विवेचना में प्रशिक्षित करने हेतु निर्देशित किया गया जिससे सिर्फ साइबर सेल ही नहीं, बल्कि सभी थाने अब तत्परता से कार्यवाही कर सकेंगे। इसके साथ ही आम जनता को साइबर अपराध के संबंध में जागरूक करने का अभियान भी लगातार जारी रहेगा। मीटिंग के दौरान सभी अधिकारियों को संवेदनशील, जवाबदेह और सक्रिय पुलिसिंग के लिए प्रेरित किया। समीक्षा बैठक का मुख्य उद्देश्य पुलिसिंग को और अधिक जनहितकारी एवं प्रभावी बनाना था । इस दौरान आईजी महोदय ने हाल ही में निरीक्षक से डीएसपी पद पर पदोन्नत हुए नोहर मंडावी को कंधे पर सितारा लगाकर कैप पहनाई और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

कल देर रात शहर में अनावश्यक घुम कर शांति भंग रहे दो और निगरानी बदमाशों को भेजा गया जेल

धमतरी पुलिस द्वारा निगरानी बदमाशों के विरुद्ध प्रतिबंधक धारा 170/ 125,135 बी.एन.एस.एस के तहत की गई वैधानिक कार्यवाही

धमतरी पुलिस द्वारा ऐसे असमाजिक तत्वों एवं गुंडा बदमाशों के विरुद्ध कार्यवाही लगातार रहेगी जारी

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी पुलिस द्वारा शहर में शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधिक तत्वों, देर रात्रि घुमने वाले,नशा खोरी,अड्डे बाजी,चाकू बाजी करने वालो के विरुद्ध अभियान चलाकर लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। कल थाना सिटी कोतवाली धमतरी द्वारा कल रात्रि में और पेट्रोलिंग गश्त की द्वारा शहर के अलग-अलग वार्ड रिसाई पारा वार्ड,स्टेशन पारा,मकई चौपाटी,लाल बगीचा वार्ड,हटकेश्वर वार्ड के पीछे सुनसान जगहों में घुमकर कर पेट्रोलिंग किया गया, पेट्रोलिंग के दौरान कल रात्रि में शहर में शांति भंग कर घुम रहे 02 और निगरानी बमामाशों के विरुद्ध प्रतिबंधक धारा 170/ 125,135 बी.एन.एस.एस.के तहत कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

बदमाशों का नाम- अनीस कोशियारी पिता युनुस कोशियारी,उम्र 36 वर्ष,साकिन म्युनिसिपल स्कूल के पीछे रिसाईपारा धमतरी,थाना सिटी कोतवाली,जिला धमतरी (छ.ग.),

लक्की यादव पिता महेश यादव उम्र 19 वर्ष, साकिन-लाल बगीचा तूफन चौक धमतरी,थाना सिटी कोतवाली,जिला धमतरी (छ.ग.)

सौर ऊर्जा फेडरेशन ने सरकार से संचरण शुल्क छूट को बढ़ाने का आग्रह किया

सौर ऊर्जा फेडरेशन ने सरकार से अनुरोध किया है कि वह उन अनेक नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की व्यवहार्यता को सुरक्षित रखे, जो डेवलपर्स के नियंत्रण से परे देरी के कारण जोखिम में हैं। फेडरेशन ने प्रधानमंत्री कार्यालय के सलाहकार को लिखे पत्र में आग्रह किया कि अंतर-राज्यीय संचरण प्रणाली (आईएसटीएस) शुल्क छूट को उन परियोजनाओं के लिए जून 2026 तक बढ़ाया जाए, जो कनेक्टिविटी आवेदन स्थिति, वित्तीय समापन, 50 प्रतिशत से अधिक भूमि अधिग्रहण, और उपकरणों के ऑर्डर जैसे विशिष्ट मानदंडों को पूरा करती हैं। सौर मूल्य श्रृंखला के हितधारकों का प्रतिनिधित्व करने वाले फेडरेशन ने कहा कि बिजली मंत्रालय (स्श्वक्क) द्वारा घोषित आईएसटीएस शुल्क छूट ने नवीकरणीय ऊर्जा को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा फरवरी 2023 में इसके विलंबित कार्यान्वयन ने कई डेवलपर्स को अनिश्चितता में डाल दिया। आईएसटीएस शुल्क वे शुल्क हैं जो राज्यों के बीच बिजली स्थानांतरित करने के लिए संचरण बुनियादी ढांचे के उपयोग के लिए लगाए जाते हैं। ये शुल्क संचरण लाइनों और अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण व रखरखाव की लागत को कवर करते हैं। एक ऊर्जा विशेषज्ञ के अनुसार, उद्योग अनुमानों से पता चलता है कि यदि आईएसटीएस शुल्क छूट को नहीं बढ़ाया गया, तो लगभग 5 लाख करोड़ रुपये की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं प्रभावित होंगी। फेडरेशन ने कहा, कई नवीकरणीय ऊर्जा डेवलपर्स ने स्श्वक्क की मूल अधिसूचना के आधार पर शुरुआती निवेश किए, भूमि सुरक्षित की, वित्तीय समापन हासिल किया, और निश्चित समझौतों पर हस्ताक्षर किए। हालांकि, सीईआरसी की पुष्टि में लगभग दो साल की देरी और अन्य अनियंत्रित कारकों के कारण, ये डेवलपर्स अब 30 जून, 2025 की कमीशनिंग समय सीमा चूकने के जोखिम में हैं, जिससे वे छूट के लिए अयोग्य हो जाएंगे। फेडरेशन ने कई मुद्दों को रेखांकित किया, जिनमें ग्रेट इंडियन बस्टर्ड संरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के एक मामले के कारण विद्युत अधिनियम की धारा 68(1) के तहत लंबित अनुमोदन, संचरण योजना और कनेक्टिविटी प्रभावशीलता में देरी, और महत्वपूर्ण संचरण बुनियादी ढांचे के कमीशनिंग में विलंब शामिल हैं।

मुनारा और CPW तोड़ बनाया गया खेत

सारंगढ़ योगेश कुर्रे (समय दर्शन)- धीरे धीरे जंगल खत्म होते जा रहे है उसका सबसे बड़ा जिम्मेदार खुद वन विभाग है आज जितना संरक्षित है उसका भी और आज जितना कब्जा चल रहा उसका भी क्योंकि आज जंगल को बचाने जिन्हे तैनात किया गया है वहीं जमीन को बेचने में लगे हुए ताजा मामला सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के हट्टापाली गांव का है जहां बाकायदा वन विभाग की जमीन पर कब्जा किया गया रात के अंधेरे में जेसीबी और ट्रैक्टर से खेत बनाया जा रहा था जिसे वन विभाग की टीम ने पकड़ा और गाड़ियों को 3 महीने से ऊपर बरमकेला डिपो में जप्त रखा लेकिन विभाग ने उन्हे राजस्व मामला कहते हुए सूत्र बताते है कि लेन देन कर रफा दफा कर दिया गया सूत्र की माने मोटी रकम के बाद जंगल की जमीन को वन विभाग कब्जाधारी के हवाले छोड़ दिया गया लेकिन विभाग कह रही की कुछ हिस्सा हमारा आता है उसके एवज में मुआवजा ले लिया गया जरा सोचिए क्या मुआवजा के नाम पर कुछ

जमीन था उसे वन विभाग ने लेन देन कर मौखिक बेच दिया गया यह सवाल उठ रहा है अगर नहीं बेचा तो वन विभाग ने अपनी जमीन संरक्षित क्यों नहीं किया गया?

एसडीओ अमिता गुप्ता व रेंजर सेवक राम बैगा की जांच संदेह - इस पूरे मामले में रेंजर ने जांच प्रतिवेदन बनाया मौका जॉच किया और एसडीओ अमिता गुप्ता को सौंप दिया जब बात मिडिया में आए तो एसडीओ ने अपने बयान में बताया कि कुछ हिस्सा वन विभाग का यानी एसडीओ को पता रहते हुए न ही मुनारा और ष्श्च2 कहा है उसे भी चिन्हांकित नहीं किया गया और वन विभाग का कितना जमीन है उसे संरक्षित नही किया गया खबर चलने के बाद सूत्र की माने तो अब मुनारा ष्श्च2 नया बनाने की चर्चा चल रही लेकिन विभाग फंस गया

बीच मंझदार में अब किसान को जमीन छोड़ने और जहां मुनारा और ष्श्च2 था उसे भी बनवाने के लिए वन विभाग ने कब्जाधारी और जेसीबी मालिक को कह रही लेकिन विभाग बीच मझधार यही की अब बनाती है तो ओ स्थान भी खुल जाएगा जहां तक मोनारा और ष्श्च2 पहले थे अब वन विभाग नया तरीका ढूंढ रही कि कैसे इस मामले से बचे फिलहाल पूरी खेला दो अधिकारी ने मिलकर किया रेंजर और एसडीओ सब कुछ पता था जहां की रेंजर और एसडीओ इस तरह से भ्रष्टाचार को बढ़ावा देंगे तो क्या होंगा ? देखना होगा जांच क्या होता है बल्कि सूत्र की माने तो जांच को टाल मटोल करने में विभाग लगा हुआ है

खबर-खास

शुद्ध पेयजल सप्लाई को लेकर आयुक्त ने किया निरीक्षण

भिलाईनगर। आज आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय जोन क्रं. 03 मदर टेरेसा नगर के वार्ड क्रं. 32 कुम्हार पारा का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। वार्ड में डायरिया प्रभावित क्षेत्र में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता को लेकर भिलाई निगम द्वारा अभियान छेड़ा गया है। आयुक्त स्वयं सुबह 7:30 बजे से ही वार्ड जोन आयुक्त सतीश यादव, इंजीनियरों एवं पार्षद पति धर्मेन्द्र दिवाकर के साथ वार्डों का दौरा किए और विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किए। जोन 03 के वार्डों में पेयजल को लेकर कोई समस्या न हो इसके लिए आयुक्त के निर्देश पर भिलाई निगम के सभी इंजीनियरों की अलग-अलग टीम बनाकर संपूर्ण वार्डों का सर्वे कार्य किया जा रहा है। वहीं स्वास्थ्य विभाग का अमला नालियों की सघन स्तर पर सफाई कार्य में जुटे हुए है, ताकि किसी भी प्रकार से जलजनित बिमारी न फैल सके। वार्ड में पेयजल हेतु बिछाई गई पाईप लाइन को देखे और उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किए। कहीं पर भी पाइप लाईन में लिकेज की समस्या आ रही है तो उसका तत्काल संधारण कराये। संधारण के दौरान वार्ड में नागरिको को किसी प्रकार की पेयजल की समस्या न हो पाए, वार्ड के सभी गली, मोहल्लो में प्रतिदिन साफ-सफाई करते रहने, जरूरत पड़े तो पानी का सेंपल लेकर उसे लैब में जॉच के लिए भेजे। यदि पानी में शुद्वता न दिखे तो टैंकर के माध्यम से पानी सप्लाई करें। मितानिन डोर-टू-डोर नागरिको के घर पर जाकर जागरूक कर रही है और आवश्यक सलाह दे रही है। आयुक्त नागरिको से मिलकर उनको समझाए किसी प्रकार की डायरिया से संबंधित कोई लक्षण दिखे तो तत्काल डॉक्टर से सलाह ले और ईलाज कराए। बाहर के खादय सामग्री खाने से बचे, पानी उबालकर पिये, गर्म भोजन करें और सुरक्षित रहें। तत्पश्चात सेक्टर 01 पिंक उद्यान का निरीक्षण किए और उद्यान अधिकारी तिलेश्वर कुमार साहू को निर्देशित किए की उद्यान में जो भी गाजर घास एवं अनावश्यक खरपतवार है, उसे निकलवा दिया जाए। वहां से होकर चंद्रा मोर्या टाकिज के समीप अंडरब्रिज में जलभराव की स्थिति को देखे उपस्थित कर्मचारियो से कहे कि वहां पानी का भराव न हो, जो भी कचरा फसता है उसे तत्काल निकलवा कर हटा दिया जाए। जिससे आने-जाने वाले नागरिको को किसी प्रकार की समस्या न हो और आवागमन बाधित न हो। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, जोन सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, सुपरवाईजर श्याम ठाकुर एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

युवक की करंट की चपेट में आने से हुई मृत्यु

बालोद। बुधवार 11 जून की सुबह लगभग 10 बजे सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मनौद के आश्रित ग्राम खुर्सीपार में एक दर्दनाक हादसे में 26 वर्षीय युवक की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान रूपनारायण द्विवेदी पिता स्वर्गीय नूतन प्रसाद द्विवेदी के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक कृषि कार्यों के चलते अपने खेत में गया था। कृषि कार्य के बाद बोरवेल में नहा कर उसने गीले कपड़े को सुखाने के लिए एक तार पर डालने की कोशिश की। उसी वक्त वह करंट की चपेट में आ गया। बताया जा रहा है कि युवक को उस तार में करंट होने की जानकारी नहीं थी। हादसा इतना गंभीर था कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना पर बालोद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जहां संध्या 5 बजे तक पोस्टमार्टम नहीं हो पाया था। पोस्ट मार्टम के उपरांत शव परिजनों को सौंपा जाएगा। सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उक्त तार में करंट किस कारण से आया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के कारणों की विस्तृत जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पंडरिया नगर को स्वच्छ, समृद्ध और विकसित बनाने संकल्प से सिद्धि की हमारी यात्रा निरंतर जारी- भावना बोहरा

- पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने किया 92 लाख रुपए से अधिक के नवीन वाहनों एवं उपकरणों का लोकार्पण

कवर्धा (समय दर्शन)। डबल इंजन भाजपा सरकार के मुखिया एवं पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने बुधवार को पंडरिया नगर को स्वच्छ बनाने एवं नगर पालिका परिसद अंतर्गत विभिन्न कार्यों के सुचारू रूप संचालन हेतु 92 लाख 27 हजार रुपए से खरीदे गए वाहनों एवं विभिन्न उपकरणों का लोकार्पण कर नगरवासियों को बधाई दी। इस दौरान भावना बोहरा ने नगर को स्वच्छ बनाने के लिए 1 जेसीबी, 2 मिनी टिप्पर, डोर टू डोर कचरा एक्त्रित करने के लिए 6 ई-रिक्शा, 1 ट्रेक्टर एवं ट्रॉली, 1 लो बेड ट्रेलर एवं 10 व्हील बैरो का लोकार्पण किया। नगर पालिका परिषद पंडरिया में इन नवीन वाहनों और उपकरणों के शामिल होने से अब नगर को स्वच्छ बनाने एवं विभिन्न क्षेत्रों में कचरे का प्रबंधन करने में आसानी होगी।

पंडरिया विधायक भावना ने कहा कि पिछले डेढ़ वर्षों में पंडरिया नगर में हो रहे विकास कार्यों, अधोसंरचना निर्माण और सौन्दर्यीकरण के कार्यों से हमारा पंडरिया एक नया स्वरुप ले रहा है। नगर को स्वच्छ बनाने एवं रोजाना निकालने वाले कचरों का प्रबंधन सुचारू रूप से करने के लिए आज इन सभी वाहनों और उपकरण का लोकार्पण किया गया है प्रमुख नालों, तालाबों की निरंतर सफाई होगी, नगर के अंदरूनी इलाकों में डोर टू डोर कचरा एकत्रित किया जाएगा वहीं सड़कों व प्रमुख चौक चौराहों से भी कचरा साफ़ करने में आसानी होगी। इस प्रयास में नगरवासियों का भी बहुमूल्य सहयोग हमें अपेक्षित है और प्रधानमंत्री श्री मोदी के स्वच्छ भारत अभियान में आमजनों की सार्वजानिक भागीदारी से हम पंडरिया नगर को एक नया स्वरुप देंगे।

उन्होंने कहा कि जनता की आकाँक्षाओं के अनुरूप हम विकसित व समृद्ध पंडरिया बनाने के लिए संकल्पों को सिद्धि तक ले जाने पूरी तत्परता से आगे बढ़ रहें हैं। पंडरिया नगर को एक आदर्श नगर बनाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं, विगत डेढ़ वर्षों में पंडरिया नगर के लिए लगभग 24 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात डबल इंजन भाजपा सरकार के सुशासन में मिली है। वर्षों से नगरवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग हरिनाला पुल निर्माण कार्य पूर्णत: की ओर है। पंडरिया बाईपास का निर्माण कार्य प्रगति पर है, नए आवासों की स्वीकृति मिली है। सभी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ जमीनी स्तर पर उनका संचालन किया जा रहा है जिससे नगरवासियों को लाभ मिल रहा है। डबल इंजन भाजपा सरकार के नेतृत्व में पंडरिया नगर को विकसित एवं समृद्ध बनाने के लिए लगातार अधोसंरचना निर्माण,सौन्दर्यीकरण, सड़कों का निर्माण, सड़क, बिजली, पानी की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है, स्कूलों का उन्नयन किया जा रहा है।

भावना बोहरा ने कहा कि हमने जितने भी संकल्प और वादे आपसे किए हैं उन्हें पूरा करने के लिए कटिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य है कि पंडरिया को आने वाले समय में समृद्ध व एक विकसित नगर के रूप में विकसित करेंगे जहाँ जनता की आकाँक्षाओं के अनुरूप सुविधाओं का विस्तार करेंगे। जनता ने भाजपा पर जो विश्वास प्रकट किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर अपना भरोसा जताया उसे माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने निभाया है।

गुरुकुल समर कैंप के चौथे दिन कौशल आधारित गतिविधियाँ हुई

कवर्धा (समय दर्शन)। नगर की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान गुरुकुल पब्लिक स्कूल कवर्धा में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को दृष्टिगत रखते हुए रोमांचक ग्रीष्मकालीन कैंप का आयोजन 8 जून से किया जा रहा है। आज चतुर्थ दिवस में विद्यार्थियों के शैक्षिक, नैतिक, शारीरिक एवं बौद्धिक विकास से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। आर्ट एंड क्राफ्ट के अंतर्गत विद्यार्थियों ने पेपर क्राफ्ट, स्टोन पेंटिंग, मेहंदी, टैटू तथा मेकअप करना सीखा। नृत्य-संगीत विधा के अंतर्गत विद्यार्थियों को शास्त्रीय एवं पाश्चात्य नृत्य तथा वादन गायन सिखाया गया। शैक्षिक गतिविधियों के अंतर्गत विद्यार्थियों ने स्मृति परीक्षा, नाटक एकांकी, वैद्रिक गणित, एबाकस भाषा शिक्षण तथा कैलीग्राफी की बारीकियां को सीख कर अपनी बौद्धिक क्षमता का विकास किया। मनोरंजन के साथ शिक्षण के अंतर्गत विभिन्न क्रियात्मक गतिविधियों यथा चित्रकला, मूर्ति कला, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, स्विमिंग पूल पार्टी, स्केटिंग, 3डी शो गतिविधियों को कुशल शिक्षक-शिक्षिकाओं के द्वारा सिखाया गया। इस कैंप का आयोजन गुरुकुल पब्लिक स्कूल परिसर में प्रात: 800 बजे से मध्याह्न 12.00 बजे तक किया जा रहा है। इसका समापन 14 तारीख को भव्य रूप में होगा। इस सात दिवसीय समर कैंप में विद्यार्थियों ने जो कुछ सिखा है उसकी मंच प्रस्तुति देकर स्वयं को साबित करेंगे। इसमें करीब 400 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। वे सात दिवसीय समर कैंप में अपनी प्रतिभा को निखारने का कार्य कर रहे हैं। संस्था के अध्यक्ष, समस्त पदाधिकारी गण एवं प्रभारी प्राचार्य ने रोमांचक ग्रीष्मकालीन कैंप के सफल आयोजन पर शुभकानमाएँ दी।

डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रथम चरण की ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ

कांकेर। तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रथम चरण की ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पॉलीटेक्निक के प्राचार्य ने बताया कि पंजीयन 11 से 15 जून तक होगा। निर्धारित तिथि के भीतर आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। परिणाम की घोषणा 20 जून को की जाएगी, परिणाम घोषित होने के बाद प्रवेश की प्रक्रिया 21 से 24 जून तक चलेगी। सभी छात्र निर्धारित तिथि में आबंटित संस्था में उपस्थित होकर प्रवेश ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि शासकीय पॉलीटेक्निक कांकेर में तीन शाखाओं में डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित हैं, इनमें सिविल इंजीनियरिंग, मेकेनिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन शामिल हैं। इस संस्था में छात्राओं के लिए शिक्षण शुल्क पूर्णत: नि:शुल्क है।

राज्य खेल अलंकरण हेतु आवेदन 26 जून तक आमंत्रित

महासमुंद। छत्तीसगढ़ शासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवर्ष खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों को खेल पुरस्कार प्रदान कर राज्य खेल अलंकरण से सम्मानित किया जाता है। यह पुरस्कार राज्य के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों को प्रदान किए जाते हैं। राज्य खेल अलंकरण के अंतर्गत सीनियर वर्ग के ऐसे खिलाड़ियों को शहीद राजीव पाण्डे पुरस्कार से अलंकृत किया जाता है, जिनके द्वारा राष्ट्रीय चैंपियनशिप में या राष्ट्रीय खेलों में कोई पदक प्राप्त किया गया हो या अधिकृत अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व किया गया हो। इसी प्रकार जूनियर वर्ग के उन खिलाड़ियों को शहीद कौशल यादव पुरस्कार से अलंकृत किया जाता है, जिनके द्वारा जूनियर वर्ग के राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कोई पदक प्राप्त किया गया हो। ऐसे खिलाड़ी जिन्होंने विगत 5 वर्षों में चार बार सीनियर वर्ग में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ की ओर से प्रतिनिधित्व करने वाले महिला-पुरुष खिलाड़ियों को शहीद पंकज विक्रम सम्मान से सम्मानित किया जाता है। प्रशिक्षकों, निर्णायकों को वीर हनुमान सिंह पुरस्कार से अलंकृत किया जाता है। खेल से जुड़े 55 वर्ष या अधिक उम्र के अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में भाग लिया हो या राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक प्राप्त किया हो या संबंधित ने ऐसी कोई उल्लेखनीय सेवा खेल के क्षेत्र में की हो जिनके आधार पर उन्हें सम्मानित किए जाने हेतु विचार किया जाए उन्हें शहीद विनोद चौबे सम्मान से अलंकृत किया जाता है। इसी प्रकार सीनियर व जूनियर वर्ग में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक प्राप्त दल को मुख्यमंत्री ट्रॉफी प्रदान की जाती है। पुरस्कार के नियम छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित किए गए हैं, नियमों के अंतर्गत पात्रता रखने वाले आवेदकों को पुरस्कार के लिए प्रावीण्यता के आधार पर चयन किया जाएगा। शहीद राजीव पाण्डे पुरस्कार हेतु रुपए 3 लाख, शहीद कौशल यादव पुरस्कार हेतु रुपए 1 लाख 50 हज़ार, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार हेतु रुपए 1 लाख 50 हज़ार, शहीद विनोद चौबे सम्मान एवं शहीद पंकज विक्रम सम्मान हेतु रुपए 25-25 हज़ार नगद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसी प्रकार सीनियर एवं जूनियर वर्ग में दलिय खेलों के लिए मुख्यमंत्री ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।

धारदार लोहे का हथियार रखकर हवा मे लहराते हुये आने जाने वाले राहगीरो को डराने धमकाने वाले आरोपी को गरियाबंद पुलिस ने किया गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। धारदार हथियार रखकर लोगो को डरा धमका रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया।घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार 10 जून के शाम एक व्यक्ति बोरिद चौक फिंगेश्वर के पास अपने हाथ मे धारदार लोहे का हथियार रखकर खुलेआम हवा मे लहराते हुये आने जाने वाले राहगीरो को डरा धमका रहा है कि सूचना पर हमराह स्टाफ तथा गवाह के मौका बोरिद चौक पहुंचकर देखा एक व्यक्ति अपने हाथ में एक लोहे का धारदार तलवारनुमा हथियार को लेकर खुलेआम लहरा कर राहगीरों को डरा धमका रहा था। जिसे हमराह स्टाफ के घेराबंदी कर पकड़ा गया। जिसे पूछताछ करने पर अपना नाम सीताराम माण्डले पिता स्व0 कलाराम माण्डले उम्र 33 साल साकिन सतनामी पारा फिंगेश्वर थाना फिंगेश्वर जिला गरियाबंद का रहने वाला बताया। सीताराम माण्डले के कब्जे से मिले एक लोहे का धारदार तलवारनुमा हथियार को गवाहों के समक्ष जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपी सीताराम माण्डले का कृत्य अपराध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट का घटित करना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया व आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

नाम परिवर्तन

मै गिरीश कुमार वर्मा पिता श्री नारायण वर्मा, उम्र 31 वर्ष, जाति कुर्मी, निवासी ग्राम भिंभौरी, पोस्ट सिल्हाटी, तहसील स.लोहारा, जिला कबीरधाम (छ.ग.) का स्थायी निवासी हूँ । मेरे पुत्र केशव वर्मा **KESHAV VERMA** पिता गिरीश कुमार वर्मा **GIRISH KUMAR VERMA** माता सरिता वर्मा **SARITA VERMA** का जन्म दिनांक 08/03/2017 को रूपजीवन हॉस्पिटल कवर्धा, में हुआ था। उक्त जन्म प्रमाण पत्र में उसके पिताजी अर्थात मेरा त्रुटिवश गिरीश वर्मा **GIRISH VERMA** हो गया है। जिसके कारण मुझे विद्यालीन कार्य/आधार कार्ड संबंधी संबंधी कार्य करने में असुविधा हो रही है।

मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र को में संशोधन कराते हुए उसके माता-पिता के आधारकार्ड अनुसार नाम-सरनेम एवं आधार संख्या दर्ज करवाना चाहता हुं। जिस हेतु उक्त शपथपत्र /आवेदन पत्र के साथ आधारकार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र की मूल प्रति संलग्न कर रहा हूँ।

यह शपथ पत्र मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में संसोधन करते हुए मेरे पुत्र का नाम केशव वर्मा **KESHAV VERMA** पिता गिरीश कुमार वर्मा **GIRISH KUMAR VERMA** माता सरिता वर्मा **SARITA VERMA** दर्ज करते हुए जन्म प्रमाण पत्र की द्वितीय प्रति जारी करने के संबंध में प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

पण्डरिया में बीज बोआई प्रशिक्षण एवं एक पेड़ माँ के नाम से पौधारोपण किया

कवर्धा (समय दर्शन). वन परिक्षेत्र पण्डरिया पश्चिम के अंतर्गत कुमदूर परिसर ग्राम दामागढ़ में पिछले दिनों एक पेड़ माँ के नाम योजनांतर्गत वृक्षारापेण हुआ। साथ ही वन परिक्षेत्र पण्डरिया पश्चिम के अधीनस्थ परिसर रक्षक, परिक्षेत्र सहायकों को बीज बोआई का प्रशिक्षण दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त प्रशिक्षण में बीज बोआई के 4 मेथड के बारे में बताया गया जिसके अनुसार सबसे पहले ऐसे क्षेत्र का चुनाव किया जाए जहां वृक्षारोपण नहीं किया जा रहा तथा जहाँ पुनरोत्पादन नगण्य है। ए.एन.आर. क्षेत्र एवं मृदा जल संरक्षण कार्य के अंतर्गत कंटूर ट्रेंच किया जाता है वहां ट्रेंच के अंदर हल्की गुड़ाई कर बीज का बोआई करें अथवा ट्रेंच के दोनो सिरों पर 45 बाई 45 सेमी. में पूर्व में खोदी गई ऋक्षरित मिट्टी भरकर अच्छी तरह दबा दें एवं उसे जमीन सतह से 5-10 सेमी. ऊंचाई तक भर दे। इस प्रकार भरी हुई मिट्टी पर बीज बोआई करने से अच्छे परिणाम आते हैं। ऐसे क्षेत्र जहां कंटूर ट्रेंच नहीं खोदा गया है, वहाँ 4 बाई 4 मी. के अंतराल पर किसी भी लंबाई चौड़ाई के 45 सेमी. गहरी ट्रेंच खोद ले एवं ऋक्षु क्षरण के बाद मिट्टी को पुन: भरकर अच्छी तरह दबा दें, इस पर बीज-बोआई किया जावे। लुज मिट्टी पर 3-5 सेमी. गहराई एवं 7-10 सेमी. की दूरी पर दो कतार में बीज का बोआई करे।

प्रशिक्षण के दौरान महुआ, अर्जुन एवं करंज बीज की बोआई की गई। प्रशिक्षण समाप्ति के उपरांत वृक्षारोपण कार्यक्रम संपादित किया गया जिसमें नीम, अर्जुन जामुन आदि मिश्रित प्रजाति के लगभग 35 पौधा रोपण किया गया।

कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, वन स्थाई समिति के सभापति एवं जनपद सदस्य थानेश्वर जायसवाल, दमगढ़ सरपंच श्रीमती सवनी बाई ध्रुव, वन प्रबंधन समिति के अध्यक्ष परसराम यादव, सुयशधर दीवान, उप वनमण्डलाधिकारी पण्डरिया, श्रीमती शिखा झा (प्रशिक्षु स.व.सं.), श्रीमती पल्लवी गंगबेर, परिक्षेत्र अधिकारी, पण्डरिया पश्चिम, महेन्द्र कुमार जोशी, परिक्षेत्र अधिकारी पण्डरिया पूर्व, तकनीकी सहायक एवं क्षेत्रीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, भारत सरकार द्वारा अनुसूचित जाति SC के छात्रों के लिए **"टॉप क्लास एजुकेशन स्कीम"** के अंतर्गत छात्रवृत्ति हेतु **राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP)** को 02-06-2025 से **फ्रेश (नवीन) और रिन्यूअल (नवीकरण)** छात्रों के लिए खोला गया है।

वे अनुसूचित जाति के छात्र, जिनकी **कुल वार्षिक पारिवारिक आय सभी स्रोतों से ₹8.00 लाख तक है**, और जिन्होंने इस योजना के अंतर्गत अधिसूचित किसी भी संस्थान में **पूर्णकालिक निर्धारित पाठ्यक्रम** में प्रवेश प्राप्त किया है, वे **उन संस्थानों को आवंटित छात्रवृत्ति की संख्या (स्लॉट्स)** की सीमा तक इस छात्रवृत्ति के लिए पात्र होंगे।

पोर्टल **संभावित रूप से 31-10-2025 को बंद** हो सकता है।

फॉर्म भरने से पूर्व छात्र **योजना की पात्रता शर्तें** अवश्य जांच लें। **NSP पोर्टल** पर फॉर्म भरने के विस्तृत दिशानिर्देश उपलब्ध हैं। योजना से संबंधित दिशानिर्देश देखने के लिए socialjustice.gov.in/schemes पर जाएं या नीचे दिया गया **QR कोड स्कैन करें।**

CBC 38101/11/0006/2526

मोर गांव मा पानी अभियान से बढ़ा जनजागरण

- महासमुंद में 1252 सोखता गड्ढों का निर्माण, जल संरक्षण की ओर ठोस कदम

महासमुंद (समय दर्शन)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के नेतृत्व में महासमुंद जिले में जल संरक्षण को लेकर मोर गांव मा पानी अभियान अंतर्गत एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आ रही है। पिछले समय-सीमा की बैठक में दिए गए कलेक्टर के निर्देशों के अनुरूप जिले में जन भागीदारी और विभागीय समन्वय से जल संचय के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है, जो अब मूर्त रूप लेता दिख रहा है। इस अभियान के तहत ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, शिक्षा विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वित प्रयासों से स्कूलों, आंगनवाड़ियों, पंचायत भवनों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों में जन सहयोग से सोखता गड्ढों का निर्माण किया जा रहा है।

कलेक्टर विनय लंगेह ने बताया कि मोर गांव मा पानी अभियान का उद्देश्य सिर्फ जल संचय नहीं, बल्कि जन-जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ाना भी है। उन्होंने कहा कि सोखता गड्ढे न सिर्फ जल संरक्षण में सहायक हैं, बल्कि वे

मिट्टी की नमी बनाए रखने, जल प्रवाह को नियंत्रित करने और आसपास के पर्यावरण को भी संतुलित बनाए रखने में सहायक होते हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस. आलोक ने बताया कि अब तक जनभागीदारी से कुल 1252 सोखता गड्ढों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है और तेजी से इस दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोखता गड्ढे वर्षा जल को जमीन में समाहित करने में मदद करते हैं, जिससे जल स्तर को बनाए रखने और भूजल संसाधनों को पुनर्जीवित करने में सहयोग मिलेगा। यह एक स्थायी समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

संक्षिप्त-खबर

संजीव कुमार सोनी को स्वर्णकार समाज का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किए जाने पर बधाई देने वालो का लगा तांता

रायपुर (समय दर्शन)। रायपुर में स्वर्णकार समाज के सक्रिय सदस्य संजीव कुमार सोनी को राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर समाज में हर्ष की लहर दौड़ गई है। इस शुभ अवसर पर वेदप्रकाश जी महंत, लक्ष्मी नारायण मंदिर, एवं सोनपैरी आश्रम के राष्ट्रीय संत गुरु असंग देव जी ने श्री सोनी को स्नेह व आशीर्वाद प्रदान किया तथा राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य क्षेत्र के डॉ. पुर्णेन्दु सक्सेना, प्रांत संघचालक टोपलाल वर्मा , भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव जी योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा, रामसेवक पैकरा , नान अध्यक्ष चंदूलाल साहू, तथा रामप्रताप ने भी श्री सोनी को शुभकामनाएं भेजीं एवं राष्ट्रहित में उनके भावी कार्यों के लिए आशीर्वाद प्रदान किया। स्वर्णकार समाज में इस नियुक्ति को समाज के लिए गौरव का विषय बताया गया है और सभी ने संजीव कुमार सोनी के नेतृत्व में समाज को एक नई दिशा मिलने की आशा जताई है।

संकुल केन्द्र बंसुला में सत्रारंभ बैठक सम्पन्न

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखंड के शिक्षा अधिकारी जे आर डहरिया एवं बी आरसी पूर्णानंद मिश्रा के मार्गदर्शन में संकुल केंद्र बंसुला के अंतर्गत संचालित सभी विद्यालय के प्रधान पाठकों का एक आवश्यक बैठक आयोजित किया गया। इस बैठक में सभी विद्यालयों के संस्था प्रमुख उपस्थित रहे ।बैठक के प्रमुख विषय विद्यालय का साफसफाई, रंग रोगन, शाला प्रवेश उत्सव,गणवेश एवं बार कोड के द्वारा पाठ्य पुस्तक वितरण, पौधा रोपण, यू डाइस में विद्यार्थी प्रोगेशन, किचन सेट की सफ़ाई, जादुई पिटारा निर्माण, अपार आई डी, जाति प्रमाण पत्र आदि अन्य विषयों पर चर्चा की गई। बैठक का सफ़ल संचालन संकुल समन्यवक गोवर्धन डडसेना के द्वारा किया गया। इस बैठक में बलदेव मिश्रा, सुशील सिन्हा, दिनेश डडसेना, कौशल बेहेरा, पदमिनी साहू, संतोषी साहू, गीतांजलि नाग, प्रकाशिनी नंद, प्रवीर कुमार बेहेरा, अनिता बारिक, राजेश भोई, सीता साहू, पुष्पांजलि नाग, प्रेम नाथ प्रधान, किरण मलिक , शशि कुमार साव उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक 13 को

महासमुंद। जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक 13 जून 2025 को दोपहर 12:00 बजे जिला कार्यालय महासमुंद के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में विभिन्न कर्मचारी संघों के पदाधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण सम्मिलित होंगे। बैठक में कर्मचारियों से संबंधित नवीन विषयों पर विचार-विमर्श कर त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में कर्मचारी संघों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों एवं मांगों पर चर्चा की जाएगी तथा आवश्यक दिशा-निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए जाएंगे। जिला प्रशासन द्वारा संबंधित सभी अधिकारियों एवं संघ प्रतिनिधियों से निर्धारित तिथि एवं समय पर बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए है।

औरी में पहली बार बंटेगा राशन, पहले तीन किमी दूर जाना पड़ता था राशन लेने

बलराम यादव

पाटन। पाटन ब्लॉक के ग्राम पंचायत औरी के आश्रित ग्राम भाठागांव में ही वहां के ग्रामीणों को राशन मिलेगा। इस माह से ग्रामीणों को राशन लेने तीन किमी दूर सफर नहीं करना पड़ेगा। सरपंच कालिंद्री मानिकपुरी की पहल पर अब भाठागांव में ही राशन वितरण किया जाएगा। इसके लिए एक सामुदायिक भवन में राशन रखने की व्यवस्था की गई है। साथ ही अब प्रत्येक माह में दो दिन शासकीय उचित मूल्य दुकान के संचालक वहां पर जाकर राशन वितरण करेगा। बता दे कि इससे पहले भाठागांव के ग्रामीण पंचायत मुख्यालय ग्राम औरी में जाकर राशन लेते थे अब गांव में राशन वितरण किए जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। साथ ही सरपंच द्वारा किए गए इस व्यवस्था का सराहना कर रहे है।

शंकर नगर में 43 लाख से नाले निर्माण कार्य,गुणवत्ता एवं पानी के समुचित बहाव हेतु नाला के स्लोप मेन्टेन्स पर विशेष ध्यान दें: महापौर

दुर्ग/ (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 10 शंकर नगर निर्माणधीन नाले का निरीक्षण करने महापौर श्रीमती अलका बाघमार पहुँची। बुधवार सुबह महापौर अलका बाघमार द्वारा बाज़र एवं राजस्व प्रभारी व पार्षद शेखर चन्द्राकर एवं टीम सहित वार्ड नागरिको के साथ शंकर नगर सुभाष स्कूल के पीछे से लेकर गजानंद मंदिर चौक तक 43 लाख की लागत से निर्मित की जा रही नाला निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। आपको बता दे कि हर शंकर नगर क्षेत्र में बरसाती पानी की निकासी नही होने के कारण महापौर श्रीमती बाघमार व राजस्व प्रभारी श्री चन्द्राकर के निर्देश पर निर्मित नाला निर्माण का बहाव अन्य नाला की तरफ जोड़ा गया है। ताकि बारिश के बहते पानी का बहाव बेहतर हो सके। तथा कार्य के दौरान गुणवत्ता एवं पानी के समुचित बहाव हेतु नाली के स्लोप मेंनटेन पर विशेष ध्यान दें। उन्होने ठेकेदार को निर्देश दिए कि निर्माण सामग्री एवं काम में लगी मशीनों के कारण सड़क पर आवागमन बाधित न हों, इस हेतु निर्माण सामग्री व मशीनों को सड़क के किनारे व्यवस्थित रूप से रखें। इस समय उन्होने नाला निर्माण कार्य का सघन रूप से निरीक्षण करते हुए निर्माण कार्य के दौरान गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देने के साथ ही कहा कि नाला निर्माण हो जाने के पश्चात पानी का बहाव निर्वाध रूप से हो, इस हेतु स्लोप मेंनटेन करते हुए कार्य को संपादित कराएं।महापौर द्वारा ठेकेदार को कड़ी हिदायत देते हुये निर्देश दिया कि व्यवस्थित ढंग से निर्माण कार्य करवाएं। महापौर ने निर्माण कार्य का निरीक्षण के दौरान ठेकेदार को साफकहा- गुणवत्ता से किसी भी सूरत में समझौता बर्दाश्त नहीं किया जायेगा,और निर्माण कार्य को तय सीमा के अंदर किये जाने के सख्त निर्देश दिये।

सोशल मीडिया मे बसना एक बार फिर सुर्खियों में है

- चर्चा चौराहे पर है,काँग्रेस शासन काल मे दागदार रहे अनेक नेता सत्ता परिवर्तन के साथ रूलिंग पार्टी का दामन थामा
- सूचना पोर्टल पर योजनाएं दर्ज नहीं, ग्रामीणों ने की जाँच की माँग
- 55 लाख से अधिक के विकास कार्यों में गड़बड़ी की आशंका

महासमुन्द व्यूरो (समय दर्शन)। इन दिनों जनपद पंचायत बसना के पूर्व जनप्रतिनिधियों के द्वारा शासन के पैसों का दुरूपयोग एवं बंदरबाट करने मामला सुर्खियों पर है। चौक चौराहों मे चर्चा का विषय बना हुआ है कि, काँग्रेस शासन काल मे दागदार रहे नेता सत्ता परिवर्तन के साथ रूलिंग पार्टी का दामन थाम लिया है।

जनपद पंचायत बसना क्षेत्र के पूर्व जनप्रतिनिधियों के द्वारा विकास कार्यों के लिए आबंटित पैसों मे गिद्ध दृष्टि रखकर कार्यों मे लीपा पोती और भारी अनियमितता कर शासन को बदनाम करने की नियत से नियम कायदे को ताक मे रखकर मनमानी का आरोप चौक चौराहों मे चर्चा का विषय बना हुआ है । अभी बरडीह के पूर्व सरपंच का मामला शांत हुआ ही नहीं है और बिछिया(सागरपाली) मे भारी अनियमितता का मामला प्रकाश मे आया है,जिस पर ग्रामीण लामबंद हो रहे हैं । गौरतलब हो कि,बसना मे वर्ष 2024-25 के लिए कुल 1 करोड़ 36 लाख 58 हजार 140 रपये की राशि विकास कार्यों के लिए स्वीकृत की गई थी। इस राशि से 102 ग्राम पंचायतों में 45 कार्यों को मंजूरी मिली। जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों मे बुनियादी सुविधाओं को सशक्त बनाना था। बावजूद इन विकास कार्यों की पारदर्शिता और गुणयता को लेकर गंभीर सवाल उठना लाजमी हो गया है।

जनपद पंचायत की पूर्व अध्यक्ष रुक्मणी सुभाष पटेल का निवास ग्राम बिछियाँ है। जहां कुल 55 लाख 70 हजार 645 रुपए की लागत से विभिन्न निर्माण कार्य कराए गये।

ग्रामीणों का आरोप है कि ये कार्य निम्न युगवता के हैं इनमें पारदर्शिता भी नहीं बरती गई है। यहां कराए गए कुछ प्रमुख कार्यों में पानी टैंकर क्रय: 2,00,000, नवीन तालाब निर्माण (पहला) 20,00,000, नवीन तालाब निर्माण पहाड़ के नीचे): 17,35,395, पचरी निर्माण कार्य: 2.83,350, सीसी रोड निर्माण (पहला) 5,50,000, नल जल प्रदाय निर्माण (तीस) 4,00,000, सीसी रोड निर्माण (दूसरा 4,00,0001 इन सबका सूचना पटल पर कहीं दर्ज ही नहीं की गयी है

सबसे गंभीर बात यह है कि ग्राम बिछिया में कराए गए इन विकास कार्यों की जानकारी किसी भी शासकीय सूचना पोर्टल, वेबसाइट कार्य का संधारण ग्राम सभा के सूचना पट पर दर्ज नहीं है। ग्रामवासियों का कहना है कि, जनपद पंचायत कार्यालय बसना से इन कार्यों की जानकारी प्राप्त करना चाहते थे, लेकिन कहीं से भी उन्हें इनकी विधिवत सूचना नहीं मिली।

ग्रामीणों की नाराजगी, जांच की मांग- ग्रामीणों ने इन कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए संदेह जताया है कि, कई कार्य सिर्फकागजों पर दिखाए गए हैं या फिर अधूरे व घटिया तरीके से किए गए हैं।

उन्होंने जिला प्रशासन व संबंधित विभाग से शिकायत करते हुए इन कार्यों की स्वतंत्र तकनीकी जांच की मांग की है।

पारदर्शिता पर उठ रहे शवाल, शासन की योजनाओं मे की गयी लीपापोती-ग्रामीणों का कहना है कि शासन द्वारा जारी की गई राशि यदि सही ढंग से खर्च की जाती तो ग्राम विछियाँ के विकास कार्यों के बुनियादी ढांचे में बड़ा सुधार देखा जाता। लेकिन, सूचना के अभाव और गुणवत्ता को अनदेखी से सरकारी योजनाएं सवालों के घेरे में है।

प्रशासन की चुप्पी, ग्रामीणों की नजरें जांच पर टिकी- फ्लिहाल, इस पूरे मामले पर जनपद पंचायत बसना या जिला प्रशासन की कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ग्रामीणों की नजर अब प्रशासनिक जांच और संभावित कार्रवाई पर टिकी हुई है। इस संबंध में जनपद पंचायत बसना के एसडीओ नयन प्रधान का कहना है कि ग्राम पंचायत विडिया में विकास कार्य हुआ है, जिसका मूल्यांकन बाकी है और 40 प्रतिशत भुगतान हो चुका है।

अल्प संख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा का बसना मे भव्य स्वागत

बसना (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा ने पदभार ग्रहण करने के बाद उनका बसना में प्रथम आगमन किया। इस अवसर पर गुरु गोविंद सिंघ सभा एवं बसना विधायक जनसंपर्क कार्यालय में उनका भव्य स्वागत और सम्मान किया गया।

बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने विधायक कार्यालय में पुष्पगुच्छ भेंट कर अमरजीत छाबड़ा का गर्मजोशी से स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालने के बाद अमरजीत छाबड़ा प्रदेश के अल्पसंख्यकों के हितों और विकास के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि छाबड़ा के नेतृत्व में अल्पसंख्यक समुदाय को प्रभावी रूप से सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा और उनकी आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा । इस नई भूमिका में उनके अनुभव और नेतृत्व से समाज को नई दिशा मिलेगी। विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कहा कि छाबड़ा जैसे कर्मठ नेता के नेतृत्व में आयोग नए कीर्तिमान स्थापित करेगा । उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने छाबड़ा को बसना क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी थी, जिसमें उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

छाबड़ा जी ने जिस प्रतिबद्धता और समर्पण से चुनावी कार्य किया, उसी तरह वे अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष पद पर भी सेवा देंगे। हमें पूरा विश्वास है कि वे समाज को न्याय और अधिकार दिलाने में सफल होंगे। नवनियुक्त अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा ने कहा अल्पसंख्यक समुदाय की प्रगति और उनके हितों की रक्षा मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। मुझे जो नई जिम्मेदारी मिली है, उसे मैं पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ निभाऊंगा। सभी समाजों के उत्थान के लिए आयोग से जो भी प्रयास किए जा सकते हैं, वे किए जाएंगे। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ता, स्थानीय प्रतिनिधि, पत्रकार,समाजसेवी एवं व्यापारी उपस्थित रहे। सभी ने अमरजीत छाबड़ा को शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व में अल्पसंख्यक समुदाय के उज्जवल भविष्य की उम्मीद जताई। समारोह में उपस्थित लोगों ने मिलकर छत्तीसगढ़ के अल्पसंख्यक समुदाय के विकास और सशक्तिकरण की कामना की।

संकुल केन्द्र कोलिहादेवरी- बसना में प्रधानपाठकों के साथ सत्रारम्भ पूर्व बैठक संपन्न

महासमुन्द (समय दर्शन न्यूज)। बसना विकासखंड के संकुल केंद्र कोलिहादेवरी अंतर्गत समस्त विद्यालयों के प्रधान पाठकों की अति आवश्यक बैठक संकुल के नोडल प्राचार्य दिवाकर बारिक की उपस्थिति एवं संकुल समन्वयक सुरेश नंद के दिशा निर्देश में विभिन्न जानकारियां दी गई ।

शाला प्रवेश उत्सव की तैयारी के साथ, गणवेश, पाठ्यपुस्तक वितरण, टीवीसी एप पंजीयन सह प्रशिक्षण, पीएफएमएस की राशि का समुचित उपयोग, ईको क्लब के तहत पौधारोपण, संरक्षण, रखरखाव यू-डाइस में विद्यार्थियों का अपग्रेडेशन पूर्ण करने, शौचालय की साफसफाई एवं पेयजल की जांच, किचन शेड मरम्मत, साफसफाई, एमडीएम चावल की सफाई एवं बरसात पूर्व रख रखाव, एमडीएम संचालन समिति की आवश्यक बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश देना, समय पर शिक्षकों की उपस्थिति, प्रधान पाठक की डायरी का संधारण, जिसमें विद्यालय की समस्त जानकारी आईडी-पासवर्ड सहित संधारित रखना एवं पृथक से उसकी एक प्रति शाला में उपलब्ध करने के दिशा निर्देश दिए गए।

शाला विकास समिति की बैठक लेकर आगामी तीन माह का प्लान तैयार करने एवं

पुनर्गठन करने का भी निर्देश दिया गया। इस संदर्भ में नोडल प्राचार्य ने आवश्यक सभी पंजियों का संधारण एवं उचित रख-रखाव जिल्द चढ़ा कर रखने का निर्देश दिया। वार्षिक कैलेंडर बनाकर शत प्रतिशत प्रवेश लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु पालकों से संपर्क करना, शाला समय 16 जून से 10:00 से 4:00 तक सुनिश्चित करने हेतु प्रधान पाठक से ध्यान देने को कहा गया।

शाला में भ्रमण पंजी, अवकाश पंजी संधारित करने के लिए अनिवार्य रूप से शिक्षक डायरी का संधारण करने के साथ आरंभ से ही विद्यार्थी विकास सूचकांक तैयार किया जाने बाबत प्रयास पर जोर दिया गया। अपार आईडी हेतु नव प्रविष्ट छात्रों का आधार कार्ड का मिलान अवश्य करने का निर्देश दिया गया।

जाति प्रमाण- पत्र की जानकारी के लिए प्रभारी नियुक्त करने एवं शुरू से आवश्यक दस्तावेज मांगने के लिए निर्देश दिए गए। दिव्यांग छात्रों की समस्त जानकारी बैंक खाता, प्रमाण पत्र आदि की जानकारी अपडेट रखने के लिए, शाला भवन की स्थिति, मरम्मत संबंधी जानकारी की समीक्षा, छात्रवृत्ति रजिस्टर का संधारण, प्रार्थना सभा का आयोजन प्रत्येक दिवस साउंड सिस्टम के साथ करने का दिशा निर्देश दिया गया। विगत सत्र 2024-25 पीएफएमएस राशि के उपयोग एवं कैश बुक आदि पूर्णता करने के संबंधी बैठक में जानकारी दी गई। दर्ज संख्या की जानकारी लक्ष्य पहली, छठवीं, नवमी तक एवं अन्य संकुल स्तरीय गतिविधियों पर चर्चा की गई ।

बैठक में कोलिहादेवरी संकुल के सभी विद्यालय के प्रधानपाठक गण एवं प्रतिनिधि गण ध्रुव कुमार बारिक, बृजलाल नेताम, महेश देवांगन, डॉ.विवेकानन्द दास, गजेंद्र कुमार भोई, बसंत जगत, दिलीप नायक, नरेश सामल उपस्थित रहे। यह जानकारी वरिष्ठ शिक्षक डॉ .विवेकानंद दास ने प्रदान की।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26